● वर्ष-2
● अंक-157
रायपुर, शनिवार
18 फरवरी 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

रामसेतु को राष्ट्रीय विरासत घोषित करने पर होगी सुप्रीम सुनवाई

सुब्रमण्यम स्वामी ने दाखिल की है याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट रामसेतु को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने की मांग वाली भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की जनहित याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर गुरुवार को सहमत हो गया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने भाजपा नेता की दलीलों पर ध्यान दिया कि अभी तक इस मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। सीजेआई ने कहा कि हम संविधान पीठ के मामले खत्म होने के बाद इसे सूचीबद्ध करेंगे। सीजेआई की पांच जजों की संविधान पीठ राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण पर दिल्ली-केंद्र के विवाद समेत विभिन्न मामलों पर विचार कर रही है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इससे पहले 19 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि केंद्र राम सेतु को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने से

संबंधित मुद्दे पर विचार कर रहा है। शीर्ष अदालत ने केंद्र से इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए कहा था। साथ ही स्वामी को असंतुष्ट होने की स्थिति में दोबारा कोर्ट में आने की स्वतंत्रता दी थी। स्वामी ने कहा था, मैं किसी से नहीं मिलना चाहता। हम एक ही पार्टी में हैं, यह हमारे घोषणा पत्र में था। उन्हें छह सप्ताह या जो भी हो, में फैसला करने दीजिए।

राम सेतु तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट से पांबन द्वीप और श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट से दूर मन्नार द्वीप के बीच चूने के पत्थरों की एक श्रृंखला है। इसे आदम का पुल भी कहा जाता है। भाजपा नेता ने कहा था कि वह मुकदमे का पहला दौर जीत चुके हैं, जिसके तहत केंद्र सरकार ने राम सेतु के अस्तित्व को स्वीकार किया था। ऱ्होंने कहा कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने उनकी मांग पर विचार करने के लिए 2017 में बैठक बुलाई थी लेकिन बाद में कुछ नहीं हुआ। भाजपा नेता ने इससे पहले की यूपीए सरकार के पहले कार्यकाल में विवादास्पद सेतुसमुद्रम पोत मार्ग परियोजना के खिलाफ अपनी जनहित याचिका में रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मुद्दा उठाया था।

मामला शीर्ष अदालत में पहुंचा, जिसने 2007 में रामसेतु पर परियोजना के लिए काम रोक दिया। तब केंद्र ने कहा था कि उसने परियोजना के ''सामाजिक-आर्थिक नुकसान'' पर विचार किया और वह राम सेतु को क्षति पहुंचाए बिना पोत मार्ग परियोजना का दूसरा मार्ग खोजना चाहती है। अदालत ने तब सरकार को नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था।

वकीलों को लेकर फैसले की समीक्षा की जरूरत पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट - सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह यह देखेगा कि क्या वरिष्ठ वकीलों के पद को लेकर दिशा-निर्देश जारी करने पर 2017 के उसके फैसले पर पुनर्विचार होना चाहिए या नहीं? सुप्रीम कोर्ट वकीलों को वरिष्ठ वकील बनाने से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। जस्टिस एसके कौल ने कहा, यहां यह जांचने की गुंजाइश है कि क्या इस फैसले में कुछ संशोधन किया जाना चाहिए या नहीं। अगर हां तो किस हद तक बदलाव होना चाहिए। पीठ में जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस अरविंद कुमार भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि अक्तूबर 2017 के फैसले में कहा गया था कि इसमें शामिल दिशा-निर्देश मामले के बारे में संपूर्ण नहीं हो सकते हैं। समय के साथ हुए अनुभवों के आधार पर इसमें पुनर्विचार की जरूरत है।

इन दिनों

✍ अनिल सिंह

देश में जातिवादी राजनीति का नया दौर

सपा ने धर्म के खिलाफ जातियों को खड़ा करने का जो राजनितिक दांव चला था उसका परिणाम भी सामने आ गया जब बुधवार को अयोध्या के एक संत महंत राजूदास और और स्वामी प्रसाद मौर्य एक दूसरे से भिड़ गये। लखनऊ में एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में दोनों ने एक दूसरे से हाथापाई शुरु कर दी। स्वामी प्रसाद मौर्य ने जब रामचरित मानस की निंदा की थी तब महंत राजूदास ने स्वामी प्रसाद मौर्य को दंड देने का ऐलान किया था। वैसे तो दोनों जुबानी जमा खर्च कर रहे थे लेकिन जब दोनों का आमना सामना हुआ तो हाथापाई पर उतर आये। यही तो सपा की सारी योजना का हिस्सा था कि धर्म के खिलाफ जातीय नेता लड़ते हुए दिखें, और वैसा हो भी गया। समाजवादी पार्टी सत्ता से बाहर है। उसका यादव प्लस मुस्लिम वाला फार्मूला दो चुनाव से सफल नहीं हो पा रहा है। वह इसलिए क्योंकि भाजपा की हिन्दुत्ववादी राजनीति के कारण पिछड़े वर्ग की जातीय गोलबंदी भी कुछ हद तक टूटी है। ऐसे में सपा की रणनीति ये है कि अगर जातियों को धार्मिकता के खिलाफ खड़ा कर दिया जाए तो उसकी स्थिति मजबूत हो सकती है। इस मुहिम की शुरुआत यूपी में बसपा, भाजपा होते हुए सपा में पहुंचे स्वामी प्रसाद मौर्य ने की। उन्होंने हिन्दुओं के पवित्र ग्रंथ रामचरित मानस को जातीय वैमनस्य पैदा करनेवाला बताया। एक तरफ समाजवादी पार्टी ने स्वामी के बयान को निजी बताकर पल्ला झाड़ लिया, दूसरी ओर उन्हें खुली छूट दी गई कि वह रामचरित मानस की चौपाई के जरिए जातीय भेद को हवा देते रहें, ताकि गैर-यादव पिछड़े एवं गैर-जाटव दलित असमिता के नाम पर सपा से जुड़ें। वहीं भाजपा में भी जल्द ही सांगठनिक फेरबदल होने वाला है। यहां भी पिछड़े एवं दलितों को प्रमुखता दिये जाने की तैयारी है। भाजपा ने जाट समुदाय से आने वाले भूपेंद्र चौधरी को अध्यक्ष बनाकर पहले ही बिसात बिछा दी है। बीते चार लोकसभा चुनाव पर नजर डालें तो भाजपा ब्राह्मण अध्यक्ष के चेहरे के साथ मैदान में उतरती रही है, लेकिन इस बार पिछड़े पर दांव खेला है। ऐसा करने के एवज में अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य को राष्ट्रीय महासचिव बनाकर पुरस्कार भी दे दिया है। दूसरी तरफ, भाजपा अपनी किलेबंदी मजबूत करने के लिये पार्टी में होने वाले न्यूनतम बदलावों में पिछड़े एवं दलित वर्ग को प्रमुखता देने की तैयारी में है। इसी क्रम में सुभासपा को भी साथ लाने की तैयारी है। भाजपा नेतृत्व की बात ओम प्रकाश राजभर से चल रही है, जो विधानसभा चुनाव में खास रणनीति के तहत सपा गठबंधन में चले गये थे। संभावना है कि लोकसभा चुनाव से पहले ओम प्रकाश राजभर भाजपा खेमे में चले आयेंगे।

बीबीसी का आय से अधिक मुनाफा, नहीं चुकाया गया कर

■ आयकर विभाग का आरोप

नई दिल्ली। मुंबई में बीबीसी के कार्यालयों में आयकर विभाग के मैराथन सर्वे समाप्त होने के एक दिन बाद एजेंसी ने सार्वजनिक प्रसारकों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए एक बयान जारी किया। बयान में आईटी विभाग ने कहा कि बीबीसी द्वारा दिखाया गया आय/लाभ भारत में संचालन के पैमाने के अनुरूप नहीं था। आई-टी विभाग ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चला है कि विभिन्न भारतीय भाषाओं (अंग्रेजी के अलावा) में सामग्री की पर्याप्त खपत के बावजूद, विभिन्न समूह संस्थाओं द्वारा दिखाया गया आय/लाभ भारत में संचालन के पैमाने के अनुरूप नहीं है। एजेंसी ने कहा कि उसने संगठन के संचालन से संबंधित साक्ष्य एकत्र किए हैं जो इंगित करता है कि कुछ प्रेषणों पर कर का भुगतान नहीं किया गया है, जिन्हें समूह की विदेशी संस्थाओं द्वारा भारत में आय के रूप में प्रकट नहीं किया गया है। बीबीसी के कर्मचारियों के बयान, डिजिटल एविडेन्स और कागजातों के आधार इन तमाम वित्तिय अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। ये बयान टॉप लेवल कर्मचारियों, फाइनेंस, कंटेंट डेवलपमेंट और प्रोडक्शन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के दर्ज किए गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि यह बयान ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) से संबंधित है। बयान के

मुताबिक सर्वेक्षण के दौरान कई विसंगतियां पाई गईं। सर्वेक्षण 14 फरवरी को दिल्ली और मुंबई स्थित बीबीसी कार्यालयों में शुरू किया गया था। बीबीसी (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) के कार्यालयों में आयकर विभाग का 'सर्वे ऑपरेशन' लगभग 60 घंटे तक चलने के बाद 16 फरवरी को समाप्त हो गया। इस दौरान अधिकारियों ने कुछ चुनिंदा कर्मचारियों के वित्तीय डेटा एकत्र किए और समाचार संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक एवं कागजी आंकड़ों की प्रतियां बनाईं।

बीबीसी पर भड़के ब्रिटिश सांसद

इधर ब्रिटेन संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के प्रमुख सदस्य लॉर्ड रामी रेंजर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी डॉक्यूमेंट्री सीरीज को लेकर बीबीसी के खिलाफ एक बार फिर से जोरदार हमला बोला है। रामी रेंजर ने कहा कि बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री दुर्भाग्यपूर्ण, गलत समय पर और गलत सूचना देने वाली है, जो कुछ मुट्ठी भर लोगों पर आधारित है जो कि मोदी विरोधी हैं। उनके पास पीएम मोदी को बदनाम करने के अलावा कोई काम नहीं है। लेकिन बीबीसी के झूठे प्रोपेगैंडा के बावजूद पीएम मोदी ही सही साबित हुए और दो बार जीतकर आए।

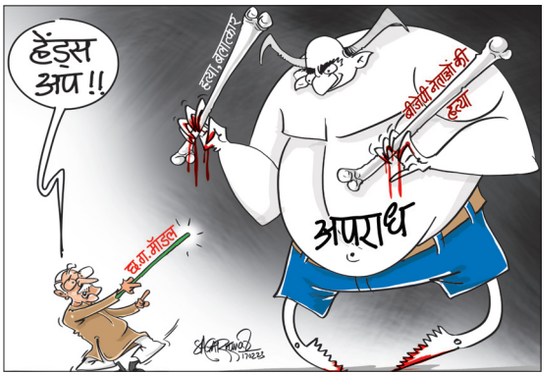

प्रमुख समाचार

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला शिंदे गुट का नाम शिवसेना होगा चुनाव चिन्ह तीर कमान

मुंबई। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को घोषणा की कि पार्टी का नाम शिवसेना और प्रतीक धनुष और तीर एकनाथ शिंदे गुट के पास ही रहेगा। चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद शिवसेना का नाम और पार्टी का निशान उद्धव ठाकरे से छिन गया है। चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को पार्टी का नाम और शिवसेना का प्रतीक तीर कमान सौंप दिया। शिवसेना के दोनों गुट (एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे) पिछले साल ठाकरे के खिलाफ शिंदे (वर्तमान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री) के विद्रोह के बाद से पार्टी के धनुष और तीर के निशान के लिए लड़ रहे हैं। आयोग ने पाया कि शिवसेना पार्टी का वर्तमान संविधान अलोकतांत्रिक है। अगले साल ही 2024 के लिए लोकसभा के चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश के बाद लोकसभा की सबसे अधिक सीटें महाराष्ट्र से ही आती हैं। कुल 48 सीटें हैं और ऐसे में उद्धव ठाकरे को एक बड़ा झटका लगा है। वहीं शिंदे गुट को बड़ी राहत मिली है। शिवसेना का नाम केवल चुनाव चिन्ह बल्कि नाम भी उन्हें मिल गया। शिवसेना जो अपने असली और पुश्तैनी होने का दावा कर रही थी।

सुंदर पिचाई ने 453 इंडियन एम्प्लॉइज को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली। वैश्विक मंदी के दौर में

कर्मचारियों की छंटनी का दौर भी लगातार जारी है। इसी बीच गूगल इंडिया ने भी कर्मचारियों को बाहर करने का फैसला किया है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने आज गूगल में काम कर रहे 453 इंडियन एम्पलॉइज को बाहर का रास्ता दिखाया है। पिचाई ने उस समय स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि छंटनी पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में होगी और उसके बाद अन्य बाजारों में। अब, गूगल कर्मचारियों द्वारा कई लिंक्डइन पोस्ट के अनुसार, यह पुष्टि हो गई है कि तकनीकी दिग्गज अब भारत में छंटनी कर रही है। रिपोर्टों के अनुसार, भारत में 400 से अधिक कर्मचारियों को गुलाबी पर्ची दी गई है। वर्तमान में गूगल इंडिया के प्रभावित कर्मचारियों को मिलने वाले पैकेज पर कोई स्पष्टता नहीं है। अमेरिका में गूगल ने पूर्ण अधिसूचना अवधि (न्यूनतम 60 दिन) के दौरान कर्मचारियों को भुगतान करने की घोषणा की, गूगल पर प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए 16 सप्ताह के वेतन के साथ दो सप्ताह से शुरू होने वाले विच्छेद पैकेज की पेशकश की।

आर्टिकल 370 पर जल्द सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट बनेगी 5 जजों की बेंच

नई दिल्ली। एक संक्षिप्त उल्लेख के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने कहा कि इस मामले को सुनने की जरूरत है। सीजेआई ने जवाब देते हुए कहा, मैं इस पर फैसला लूंगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने शुक्रवार को कहा कि वह धारा 370 के तहत जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बैच की जांच करेगी। एक संक्षिप्त उल्लेख के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने कहा कि इस मामले को सुनने की जरूरत है। सीजेआई ने जवाब देते हुए कहा, मैं इस पर फैसला लूंगा। इसी तरह का जिक्र पिछले साल भी किया गया था और उस वक्त भी सीजेआई ने कहा था कि तारीख देंगे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। 2019 में दायर याचिकाओं के बैच को दिसंबर 2019 में भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेजा गया था। चूंकि न्यायमूर्ति रमना और न्यायमूर्ति सुभाष रेड्डी, दोनों संविधान पीठ के सदस्य हैं, सेवानिवृत्त हो चुके हैं, इसलिए एक नई संविधान पीठ का पुनर्गठन करना होगा।

विशेषज्ञ पैनल के लिए सीलबंद कवर नामों को स्वीकार करने से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को

हिंडनबर्ग-अडानी रिपोर्ट की जांच के लिए गठित की जाने वाली समिति में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा सुझाए गए विशेषज्ञों के सीलबंद कवर नामों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट हाल हिंडनबर्ग रिसर्च के धोखाधड़ी के आरोपों से शुरू हुए अडानी समूह के शेयर क्रैश पर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा जनहित याचिकाओं पर महत्वपूर्ण सुनवाई हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर महत्व रखती है जिसमें केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय के नियामक व्यवस्थाओं को देखने के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के शीर्ष अदालत के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जे बी पारदीवाला की बेंच से केंद्र ने कहा था कि वह सीलबंद कवर में नामों और पैनल के जनादेश के दायरे जैसे विवरण प्रदान करना चाहता था।

केटीएफ और जेकेजीएफ आतंकी संगठन घोषित, वांटेड हरविंदर रिंदा भी आतंकवादी घोषित

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने आज एक और व्यक्ति हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंडा को आतंकवादी और दो संगठनों - खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) और जम्मू और कश्मीर गजनवी फोर्स (जेकेजीएफ) को आतंकवादी संगठन के रूप में घोषित किया है। इन दोनों संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित करने के साथ अब अधिनियम की पहली अनुसूची के तहत कुल 44 घोषित आतंकवादी संगठन हैं। हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा को आतंकवादी घोषित किया गया है। संधू आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा हुआ है और वर्तमान में सीमापार एजेंसियों के संरक्षण में पाकिस्तान के लाहौर में है और उसे विशेष रूप से पंजाब में विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त पाया गया है। खालिस्तान टाइगर फोर्स एक उग्रवादी संगठन है और इसका उद्देश्य पंजाब में दोबारा आतंकवाद फैलाना है और पंजाब में टारगेटेड हत्याओं सहित विभिन्न आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देता है। जेकेजीएफ केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में घुसपैठ की कोशिशों, नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी और आतंकी हमलों को अंजाम देने में लिप्त पाया गया है।

इस संदेश के जरिए अखिलेश ने चला नया दांव

सपा में स्वामी का विरोध करने वाले और नेता भी नपेंगे!

आशीष तिवारी

समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस पर जब विवादित बयान दिया तो सपा के ही नेताओं ने खुलकर मौर्य का विरोध करना शुरू कर दिया। ऐसे ही विरोध करने वाले नेताओं में शामिल रोली तिवारी और ऋचा सिंह को समाजवादी पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। सियासी गलियारों में अब कहा यह जा रहा है कि दो महिला नेताओं को बाहर निकालकर सपा ने उन नेताओं को एक स्पष्ट संदेश भी दिया है, जो स्वामी प्रसाद मौर्य पर रामचरितमानस को लेकर विवादित टिप्पणी करने के बाद विरोध कर रहे थे। इस मामले में भाजपा ने समाजवादी पार्टी को न सिर्फ जमकर घेरा है, बल्कि राम की आवाज उठाने वालों को दबाने और महिलाओं के विरोधी होने का आरोप लगाया है। वही पार्टी अपने नेताओं को भी सोच-समझ कर किसी भी मामले में टिप्पणी करने के लिए कहा है खासतौर से धार्मिक मामलों में।

बयान के बाद पार्टी दो धड़ों में बंटी

समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने जबसे रामचरितमानस पर विवादित बयान दिया है, तब से वह विवादों में घिरे हुए हैं। उनकी पार्टी के नेता भी उनके इस बयान पर दो धड़ों में बंट गए हैं। कुछ नेता तो स्वामी प्रसाद मौर्य का समर्थन कर रहे हैं, जबकि कई बड़े नेताओं ने तो खुलकर स्वामी प्रसाद मौर्य का विरोध करना शुरू कर दिया है। इसी विरोध के क्रम में समाजवादी पार्टी की दो महिला नेता रोली तिवारी और ऋचा सिंह ने भी स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। सियासी जानकारों का कहना है कि इसी वजह से दोनों नेताओं को पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दो महिला नेताओं को बाहर निकालकर पार्टी ने स्पष्ट तौर पर यह संदेश उन

नेताओं के लिए दिया है, जो लगातार स्वामी प्रसाद मौर्य के मामले में बयान देकर उनका विरोध कर रहे थे। राजनीतिक विश्लेषक आरएन पाराशर कहते हैं कि ऐसे में पार्टी का विरोध करने वाले नेताओं के लिए निश्चित तौर पर संदेश देने जैसी ही कार्रवाई है।

पार्टी के ब्राहमण नेता कर रहे विरोध

उत्तर प्रदेश की सियासत को करीब से समझने वाले जीडी शुक्ला कहते हैं कि रामचरितमानस पर विवादित बयान देने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य का समाजवादी पार्टी के कई नेता खुलकर विरोध कर रहे हैं। इसमें सपा नेता मनोज कुमार पांडेय, पवन पांडेय, संतोष पांडेय, रविदास मेहरोत्रा, जूही सिंह, आईपी सिंह, ऋचा सिंह और रोली तिवारी शामिल रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने जिस लाइन पर विरोध करना शुरू किया है व सियासी रूप से पार्टी को मुफीद लग रहा है। शायद यही वजह है कि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयानों के बाद भी उन्हें न तो रोका, बल्कि खुद शुद्र शब्द पर सियासी तौर पर मुखर हो गए। राजनीतिक विश्लेषण पाराशर कहते हैं कि समाजवादी पार्टी ने आने वाले लोकसभा चुनावों से पहले वोट बैंक के लिहाज से सब कुछ तय किया है। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी के बड़े नेता पिछड़ों की राजनीति के साथ दलितों की राजनीति को आगे रखकर सियासी पिच तैयार कर रहे हैं।

पार्टी के गले की फांस बन सकता है ये मुद्दा

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि समाजवादी पार्टी यही कोशिश कर रही है कि वह भाजपा के पिछड़ों और अतिपिछड़ों के वोट बैंक में सेंधमारी कर सकें। इसके अलावा जो वोट बैंक बसपा का भाजपा में खाते में चला गया है, वह भी शूद्र शब्द की सियासी चाल के माध्यम से समाजवादी पार्टी के हिस्से में आ जाए। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक बृजेश शुक्ला कहते हैं कि समाजवादी पार्टी में जब सब कुछ सही चल रहा होता है, तो अचानक बीच में कुछ ऐसा हो जाता है, जिससे चुनाव के दरमियान उन को भारी नुकसान उठाना पड़ जाता है। रामचरितमानस के विवादित बयान को लेकर शुक्ला कहते हैं कि जिस तरीके से उत्तर प्रदेश के यादव समुदाय में रामचरितमानस को एक पवित्र धार्मिक ग्रंथ के तौर पर पूजा जाता है। ऐसे में उनकी पार्टी के नेताओं की ओर से दिए जाने वाले बयान यादवों को भी आहत करते हैं। अब जब उत्तर प्रदेश में लोकसभा के चुनाव नजदीक आ रहे हैं तो समाजवादी पार्टी ने ऐसा मुद्दा छेड़ दिया है जो उनके लिए गले की फांस बन गया है। वह कहते हैं कि यही वजह है कि समाजवादी पार्टी ने अपने नेताओं को धार्मिक आधार पर कोई भी बयानबाजी करने से सचेत किया है। वह कहते हैं कि दरअसल समाजवादी पार्टी को इस बात का अंदाजा है कि धार्मिक मामलों पर की जाने वाली बयानबाजी बहुत संवेदनशील हो जाती है। जिसका खामियाजा सियासत में लंबे वक्त तक भुगतना पड़ सकता है।

विधायक अपनी सरकार के एसपी के खिलाफ धरने पर बैठे

■ पोस्टर लगाकर बर्खास्त करने की मांग

अंबिकापुर। कांग्रेस के कद्दावर विधायक बृहस्पति सिंह बलरामपुर में अपनी ही सरकार के एसपी एवं पुलिस के खिलाफ धरने पर बैठ गए हैं। शुक्रवार को बलरामपुर बंद है। बलरामपुर में एसपी के खिलाफ जगह-जगह पंपलेट लगाया गया है। बृहस्पति सिंह ने बुधवार की रात अंबिकापुर के युवकों द्वारा बलरामपुर में पटवारी एवं अन्य लोगों के साथ मारपीट करने के विवाद के बाद एसपी मोहित गर्ग पर दंगा भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए एसपी को बर्खास्त करने की मांग की है।

विधायक ने पीड़ित पक्ष पर झूठा अपराध दर्ज करने वाले थानेदार को निलंबित करने, दर्ज अपराध को शून्य घोषित करने और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गुरूवार को उन्होंने समर्थकों के साथ एनएच पर चार घंटे चक्काजाम कर दिया था। विधायक ने कहा कि बलरामपुर एसपी मोहित गर्ग के खिलाफ जनता खड़ी है। इनामी नक्सली की तरह उनके पोस्टर लगा दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री के करीबी माने जाने वाले रामानुजगंज विधायक ने बलरामपुर एसपी एवं पुलिस के खिलाफ शुक्रवार से समर्थकों के साथ धरना शुरू कर दिया। बृहस्पति सिंह ने बुधवार की रात मारपीट की घटना में एसपी एवं पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पीड़ित पक्ष पर दर्ज एफआईआर को शून्य घोषित करने एवं आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

बृहस्पति सिंह ने कहा कि यह वे ही मोहित गर्ग एसपी हैं, जिनकी पदस्थापना के दौरान कवर्धा में दंगे हुए थे। वे बलरामपुर में भी दंगा कराना चाहते थे, लेकिन यहां की जनता समझदार है। बलरामपुर में जगह-जगह इनामी नक्सली की तरह एसपी के खिलाफ पोस्टर लगे हुए हैं। बलरापुर बंद है। बृहस्पति सिंह ने एसपी को बर्खास्त करने, झूठा मामला दर्ज करने वाले थानेदार को निलंबित करने, पीड़ित पक्ष पर दर्ज अपराध को शून्य घोषित करने, व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

नगर बंद, बलरामपुर में पुलिस के खिलाफ आक्रोश

बुधवार की रात अंबिकापुर के युवकों द्वारा पटवारी एवं एक परिवार के सदस्यों से मारपीट के मामले में दोनों पक्षों पर अपराध दर्ज करने एवं आरोपियों की आवभगत करने को लेकर बलरामपुर में खासा आक्रोश है। जगह-जगह बलरामपुर एसपी मोहित गर्ग के खिलाफ पंपलेट चिपका दिए गए हैं, जिसमें एसपी को दंगाई बताया गया है। घटना के विरोध में बलरामपुर बंद है। विधायक के साथ धरने में कांग्रेस के साथ भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी भी बैठ गए हैं।

यह था मामला

बुधवार की रात अंबिकापुर के युवकों द्वारा पुराने बस स्टैंड में शिक्षक अमित सिंह की पटवारी हामिद रजा के साथ नामांतरण नहीं करने को लेकर विवाद हुआ। इस बीच वहां अंबिकापुर से बारात में शामिल होने गए छह-सात युवक पहुंचे जो अमित सिंह के परिचित थे। युवकों ने पटवारी हामिद रजा के साथ मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए हामिद करीब 50 मीटर दूर स्थित जितेंद्र श्रीवास्तव के घर में घुस गया। युवक पटवारी को दौड़ाते हुए जितेंद्र श्रीवास्तव के घर में घुस गए। युवकों ने पटवारी हामिद रजा को बचाने की कोशिश कर रहे जितेंद्र श्रीवास्तव, उनके भाई राजेश श्रीवास्तव एवं घर की महिलाओं के साथ भी मारपीट की। मामले में पुलिस ने पटवारी एवं अन्य के खिलाफ भी काउंटर मामला दर्ज किया है। वहीं विधायक के कहने पर पुलिस आरोपियों को पैदल कोर्ट तक हथकड़ी लगाकर नहीं ले गई तो विधायक खफा हो गए और उन्होंने एनएच पर चक्काजाम कर दिया था।

पूर्व मंत्री चंद्रकार बोले-बृहस्पति सिंह राबिन हुड

मामले को लेकर भाजपा नेता व पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने बयान जारी कर विधायक बृहस्पति सिंह को राबिन हुड बताया है। पूर्व मंत्री ने कहा कि वे पुलिस को निर्देश देते हैं। आईपीसी एवं सीआपीसी की धाराएं उनके लिए अलग से बनाई जानी चाहिए।

सेक्टर 9 बस्ती में लगी आग, 25 झोपड़ियां खाक

भिलाई। भिलाई के सेक्टर-9 स्थित बस्ती में आग लगने से करीब 20 से 25 झोपड़ियां जलकर खाक हो गई। इस घटना में कोई हताहत तो नहीं हुआ है। लेकिन गरीबों का आशियाना और उनके घरेलू सामान आग की चपेट से स्वाहा हो गए।

सेक्टर 9 के बीच झुग्गी बस्ती में देर रात लगी आग के कारण पूरे इलाके में भगदड़ सी मच गई। झोपड़ी में रहने वाले परिवार घर के सामान को किसी तरह आग से बीच से निकालने में लगे रहे। लेकिन आग बढ़ती ही चली गई और देखते ही देखते करीब 25 से अधिक कच्चे घर पूरी तरह से जलकर स्वाहा हो गए। आग की सूचना लोगो जिला प्रशासन और बीएसपी के दमकल विभाग को दी जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची दमकल की कड़ी मशक्कत के बाद तब आग पर काबू पाया गया। आग कैसे लगी इस बात की जानकारी अभी नही हो पाई है। लेकिन गनीमत थी कि कोई भी हताहत नहीं हुआ है।

इधर आग लगने की सूचना पर भिलाई महापौर नीरज पाल और विधायक देवेंद्र यादव भी मौके पर पंहुचकर पीड़ितों से मुलाकात कर पहले राहत कार्य शुरू करवाया और प्रभावितों को उचित मुआवजा दिए जाने का भरोसा जताया। देर रात करीब 2 बजे लगी आग के कारणों का अभी खुलासा नही हो पाया है और न ही नुकसान का आकलन हो पाया है। घर में रखे 3 से 4 सिलेंडर तक के भी फटने की बात सामने आई है। इधर अतिरिक्त तहसीलदार क्षमा यदु ने भी प्रभावितों से मिलकर नुकसान का जायजा ले रही है।

कांग्रेस विधायक के खिलाफ भाजपा नेता ने लगाए पोस्टर और पूछा-

कार्यकाल में कराये किसी एक विकास कार्य का ब्योरा दें : भल्ला

रायगढ़। भले ही विधानसभा चुनाव के लिए अभी वक्त है लेकिन रायगढ़ शहर में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है, भाजपा नेता गुरुपाल सिंह भल्ला ने रायगढ़ विधायक प्रकाश नायक के शहर के चौक चौराहों में पोस्टर लगाए है। पोस्टर में विधायक से उनके कार्यकाल को लेकर सवाल पूछा गया है और 4 साल का ब्यौरा मांगा है। वहीं कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए इस तरह के कृत्य करने का आरोप लगाया है।

दरअसल रायगढ़ शहर के विधायक प्रकाश नायक पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति में सदस्य और शहर के वरिष्ठ नेता गुरुपाल भल्ला ने बीते 4 सालों का हिसाब मांगा है, और शहर के केवड़ा बाड़ी बस स्टैंड, ढिमरापुर, गोपी टॉकीज चौक, जूट मिल ,चक्रधर नगर क्षेत्रों में पोस्टर के माध्यम से सीधे सवाल पूछा है कि यह भारतीय जनता पार्टी का सवाल नहीं है बल्कि आम लोगों के द्वारा पूछे गए सवाल है जो भाजपा नेता से बार-बार पूछे जाते हैं, इसी वजह से विधायक को अपने कार्यकाल का हिसाब लोगों को देना चाहिए।

इस कारण से पोस्टर छपवा कर शहर के गली चौराहा में लगाया गया है, उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ दिनों में विधायक निवास का घेराव भी किया जाएगा और उनके कार्यकाल का हिसाब उनसे पूछा जाएगा। पूरे मुद्दे पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने भारतीय जनता पार्टी पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया है और कहा है कि 4 साल तक भारतीय जनता पार्टी के नेता घरों में सोए हुए थे।

उन्हें घर से निकलकर ग्रामीण क्षेत्रों शहरी क्षेत्रों में जाकर देखने के लिए कहा है की रायगढ़ विधायक ने क्या काम किया है। भारतीय जनता पार्टी अपने ही गुटबाजी में लगी हुई है अपनी राजनीति चमकाने के लिए भारतीय जनता पार्टी शहर में पोस्टर लगा रही है और बीजेपी को चुनौती देते हुए कहा है कि अगर महंगाई, अडानी जैसे मुद्दे पर वह पोस्टर लगाएं तब हमारी सरकार वह विधायक लॉज्ञन लगाएं कांग्रेस लगातार महंगाई के विरोध में प्रदर्शन और अडानी के खिलाफ नारेबाजी कर रही है जिससे बौखला कर इस तरह का कदम बीजेपी के नेता उठा रहे है।

अंतर्राज्यीय वॉलीबॉल स्पर्धा में चिंताकोंटा का खिताब पर कब्जा

बीजापुर। बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के मेटलाचेरु में अंतराज्यीय वॉलीबॉल स्पर्धा का फाइनल मुकाबला तारलागुड़ा व तेलंगाना की चिंतांकोंटा के मध्य खेला गया। जिसमें चिंतांकोंटा ने अपनी शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया हैं। विजयी टीम को बीजापुर विधायक ने 51 हजार रुपये व ट्राफी देकर पुरस्कृत किया।

बीजापुर के सुदूर इलाके भद्राकली के मेटलाचेरू में 5 दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को किया गया। स्पर्धा के फाइनल मैच में बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी बतौर मुख्य अतिथि रहे। भोपालपटनम विकासखंड के मेटलाचेरु में 13 से 17 फरवरी तक अंतराज्यीय डे नाईट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र व तेलंगाना से कुल 64 टीमों ने हिस्सा लिया था।

डे नाईट मैच के लिए विधायक विक्रम मंडावी ने मेटलाचेरू के मैदान में हाई मास्क लाइट की व्यवस्था करवाई थी। जिससे लोगों ने डे नाईट मैच का भरपूर लुफ्त उठाया। मैच में एक 60 वर्षीय महिला ने मैदान के किनारे लकड़ी के बाड़े पर बैठकर खेल का भरपूर आनंद लिया। मैच का पहला सेमीफाइनल तारलागुड़ा और मेटलाचेरू के बीच खेला गया था। जिसमे तारलागुड़ा की टीम ने 2-1 से बाजी मारी थी। दूसरा सेमीफाइनल तेलंगाना की कोंगाला और चिंतांकोंटा तेलंगाना के मध्य खेला गया था। इसमें चिंतांकोंटा तेलंगाना को 2-1 से हराया। स्पर्धा का फाइनल मुकाबला मैच गुरुवार को तारलागुडा व चिंतांकोंटा के बीच खेला गया। जिसमे चिंतांकोंटा तेलंगाना की टीम ने 2-0 से जीत का खिताब अपने नाम कर लिया।

इस प्रतियोगिता में विजेता टीम को बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने 51 हजार व ट्राफी उपविजेता टीम को 25 हजार व ट्राफी तथा तृतीय स्थान पाने वाली टीम को 10 हजार रुपये व ट्राफी इनाम देकर पुरस्कृत किया। बता दें कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए बीजापुर जिले में लगातार खेलों का आयोजन किया जा रहा हैं।

पाली के केराझारिया में आज से आयोजित होगा पाली महोत्सव

■ विधायक एवं कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

कोरबा। महाशिवरात्रि के अवसर पर पाली में 18 व 19 फरवरी को आयोजित होने वाले पाली महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने पाली-तानाखार विधायक मोहित राम केरकेट्टा और कलेक्टर संजीव झा स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ केराझरिया स्थित मैदान पहुंचे। पाली महोत्सव के लिए सभी तैयारियां केराझरिया मैदान में किया जा रहा है। इसे देखते हुए विधायक के साथ कलेक्टर ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। विधायक एवं कलेक्टर ने पूरे स्थल का निरीक्षण किया।

कलेक्टर झा ने कार्यक्रम स्थल पर किए जा रहे मंच की सजावट,मैदान में बन रहे आकर्षक पंडाल, विभागीय विकास कार्यों व योजनाओं की प्रदर्शनी के लिए बनाए जा रहे स्टॉल का अवलोकन किया। इस अवसर पर आयोजन की तैयारियों से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर झा ने पाली महोत्सव के आयोजन को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पाली महोत्सव का आयोजन गरिमामय तरीके से करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने महोत्सव स्थल पर साफ-सफाई, समतलीकरण, मुख्य मंच निर्माण, स्थल के प्रवेश द्वार, वाहन पार्किंग व्यवस्था, चलित शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी लेकर जल्द सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर झा ने महोत्सव के दौरान सुरक्षा व यातायात व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। झा ने बताया कि पाली महोत्सव में जिले व प्रदेश के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा बाहर से भी कलाकार आएंगे। जिसके संबंध में आवश्यक व्यवस्थाएं हुआ तैयारियां की जा रही है। दो दिवसीय पाली महोत्सव के अलावा महाशिवरात्रि के अवसर पर पाली में स्थित प्राचीन मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और यहां लगने वाले मेले को लेकर भी तैयारियां की जा रही है। निरीक्षण के दौरान गौसेवा आयोग के सदस्य प्रशांत मिश्रा, श्रम कल्याण बोर्ड के सदस्य नवीन सिंह, पुलिस अधीक्षक उदय किरण, अपर कलेक्टर कटघोरा विजेंद्र पाटले, अपर कलेक्टर कोरबा प्रदीप साहू, जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर, एसडीएम पाली शिव बनर्जी सहित पीडब्ल्यूडी, सीएसईबी एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजेगी शाम, पलक मुच्छल एवं हार्डी संधु के गायिकी का दर्शकगण लेंगे आनंद - दो दिवसीय पाली महोत्सव में इस बार भव्य आयोजन होने जा रहा है। महोत्सव के दौरान राष्ट्रीय स्तरीय कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतिसे दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। 18 फरवरी को बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छल अपनी प्रस्तुति देंगी। साथ ही बचपन का प्यार फेम सहदेव दिर्दो भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

जीव की उन्नति सत्संग से ही होती है : डॉ. लक्ष्मी ध्रुव

नगरी। ग्राम पंचायत घुरावड़ के दरींपारा में सत्संग समारोह रामायण मानस सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि सिहावा विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने कहा कि जीवन में तीन बातों का होना अनिवार्य है, सत्संग, भागवत, भजन और परोपकार। इनमें भी सत्संग की बड़ी भारी महिमा है सत्संग का अर्थ है सत् वस्तु का ज्ञान। परमात्मा की प्राप्ति और प्रभु के प्रति प्रेम उत्पन्न करने तथा बढ़ाने के लिए सतपुरूषों को श्रद्धा एवं प्रेम से सुनना- यही सत्संग है। जीव की उन्नति सत्संग से ही होती है सत्संग से उसका स्वभाव परिवर्तित हो जाता है, सत्संग उसे नया जन्म देता है जैसे कचरे में चल रही चीटी यदि गुलाब के फुल्ल तक पहुंच जाये तो वह देवताओं के मुकुट तक भी पहुंच जाती है ऐसे ही महापुरूषों के संग से नीच व्यक्ति भी उत्तम गति को पा लेता है। उक्त कार्यक्रम में मोहन मरकाम उपसरपंच, एल.एल. ध्रुव सदस्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी, कैलाश प्रजापति, अख्तर खान, बिदेराम नेताम, तिलकराम नेताम, मंथन सिंह, कंवल सिंह साहू, ललेश्वरी नाग आदि उपस्थित थे।

तीन दिवसीय डे नाइट कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

नगरी। स्टार युवा समिति लखनपुरी के तत्वाधान में तीन दिवसीय डे नाइट कबड्डी प्रतियोगिता 15 फरवरी से 17 फरवरी तक आयोजित किया गया। जिसके शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमोद कुंजाम अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग धमतरी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उमेश देव अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज तह नगरी ने की। विशेष अतिथि श्री राम प्रसाद नेताम, ग्राम पटेल, मंशाय नेताम, सागराम मरकाम , संपत पटेल, कबिलास, राधे नेताम, लखमू नेताम, कैलाश नेताम, कोमल बघेल, एवम ग्रामीण दर्शक दीर्घा उपस्थित रहे। मंचस्थ अतिथियों ने कहा कि हार और जीत खेल का हिस्सा है इसलिए खिलाड़ियों को खेल भावना का सम्मान करते हुए खेल खेलना चाहिए।

बिनौरी गांव में तेंदुआ पहुंचने से दहशत, हुआ पिंजड़े में कैद

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के बिनौरी गांव के बीच एक तेंदुआ पहुंचने से दहशत फैल गयी। इसकी जानकारी मिलते ही वन मंडल की टीम मौके पर पहुंची और बड़ी मशक्कत के बाद देर रात तेंदुआ को पकड़कर कानन पेंडारी जू लाया गया। तखतपुर वन क्षेत्र के बिनौरी गांव के ग्रामीणों को शाम के समय ट्यूलिप गार्डन के करीब एक तेंदुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना वन विभाग को दी गई। इसके बाद कानन पेंडारी जू और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों से पूछताछ के बाद तेंदुआ की खोजबीन शुरू की गई। करीब 4 से 5 घंटे की मशक्कत के बाद पपीता बाड़ी के पास पाइप के अंदर घुसा हुआ तेंदुआ दिखाई दिया। इसके बाद विभाग की टीम ने उसे पकड़ने के लिए पिंजरे में एक मुर्गी को रखा। तेंदुआ मुर्गी खाने के लालच में पिंजरे के अंदर घुस गया जिसके बाद टीम ने उसे पिंजरे में कैद कर कानन पेंडारी जू में लेकर पहुंचे।

भू-अधिग्रहित प्रभावितों के मुआवजा वितरण के लिए गांवों में लगेंगे शिविर

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत सड़क निर्माण के लिए भू-अधिग्रहित प्रभावित परिवारों को राहत दिलाने के लिए पुनः शिविर लगाने के निर्देश दिए है। उन्होने गांवों में विशेष शिविर लगाकर भू-अधिग्रहित प्रभावितों को मुआवजा वितरण के निर्देश दिये है। शिविर के माध्यम से प्रभावितों के मुआवजा वितरण में आ रही कठिनाईयों को दूर कर सभी प्रभावितों को नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर के निर्देश पश्चात् अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं सक्षम भू-अर्जन अधिकारी कोरबा द्वारा गांववार शिविर का रोस्टर जारी किया गया है। यह शिविर जिले के 10 गांवों में 20 फरवरी से 10 मार्च 2023 तक आयोजित किए जाएंगे। शिविर में भारत माला परियोजना अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130 ए उरगा-पत्थलगांव खण्ड के तहत् तहसील कोरबा एवं करतला के प्रभावित नागरिकों के मुआवजा वितरण में आ रही दिक्कतों को दूर किया जाएगा।

एमडी कटियार ने मड़वा विद्युत संयंत्र का लिया जायजा

कोरबा-जांजगीर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार ने कहा कि विद्युत संयंत्र की व्यवस्था को अपने घर की तरह की चुस्त दुरूस्त रखें। कार्य में आगे बढ़ने के लिए अपने कार्य में निरंतर सुधार करते रहें। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मार्च तक विद्युत संयंत्र की दोनों इकाइयों को पूरी क्षमता के साथ चलाते हुए 1000 मेगावॉट विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य दिया है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार ने गुरूवार को अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा का जायजा लिया। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा के अतिथि गृह में प्रबंध निदेशक एसके कटियार की अगुवाई करते हुए कार्यपालक निदेशक एसके बंजारा ने उनका स्वागत किया। कटियार के साथ मुख्यालय रायपुर से कार्यपालक निदेशक (एसएंडपी) अरूण वर्मा, मुख्य अभियंता (प्रोजेक्ट) एचएन कोसरिया, मुख्य अभियंता (सिविल प्रोजेक्ट) एमआर बागड़े, कार्यपालन अभियंता आनंद घिलोड़े भी उपस्थित रहे।

किसानों से खरीदे गए धान का शत प्रतिशत हुआ उठाव

कोरबा। धान खरीदी महापर्व के दौरान 01 नवंबर 2022 से 31 जनवरी 2023 तक कोरबा जिले के किसानों ने उत्साहित होकर अपना धान समर्थन मूल्य पर समितियों में बेचा। शासन-प्रशासन द्वारा की गई सुनियोजित व्यवस्थाओं के कारण इस वर्ष भी जीरो शॉर्टेज की परंपरा कायम रही। किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान का शत प्रतिशत उठाव किया गया। शत प्रतिशत धान उठाव के मामले में प्रदेश के दो जिलो में कोरबा भी शामिल है। शासन की व्यवस्थाओं से जिले के किसान संतुष्ट रहे। साथ ही टोकन लेने के लिए टोकन तुंहर हाथ मोबाइल ऐप ने भी किसानों को आसानी से टोकन प्राप्त करने में सहुलियत प्रदान की। कलेक्टर संजीव झा के कुशल नेतृत्व में सभी खरीदी केंद्रों में किसानों के सहुलियत के लिए जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। कलेक्टर झा धान खरीदी की स्थिति पर लगातार निगरानी बनाकर समय-समय पर धान खरीदी की समीक्षा कर जरूरी निर्देश विभागों को दे रहे थे। इसी के फलस्वरूप धान खरीदी महाभियान के दौरान जिले में कुल 21 लाख 29 हजार 250 क्विंटल धान की खरीदी हुई। बेचे गए धान के बदले 38 हजार से अधिक किसानों ने 434 करोड़ रूपए से अधिक की राशि प्राप्त की है। सबसे अधिक धान की खरीदी रामपुर उपार्जन केंद्र में हुई। इस केंद्र में किसानों से 70 हजार 632 क्विंटल धान की खरीदी की गई। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 4 हजार 917 अधिक किसानों ने अपना धान सहकारी समितियों में बेचा। पिछले वर्ष के तुलना में इस वर्ष 4 लाख 26 हजार 736 क्विंटल से अधिक की धान खरीदी हुई। कलेक्टर झा ने सफलता पूर्वक धान खरीदी के कार्य को संपन्न कराने और शत प्रतिशत धान का उठाव सुनिश्चित करने के लिए जिला खाद अधिकारी जे. के. सिंह, सहकारी बैंक नोडल अधिकारी एस. के. जोशी, डीएमओ जान्हवी जिल्हारे, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं सहित धान खरीदी में लगे सभी अधिकारी कर्मचारियों को बधाई देकर प्रोत्साहित किया। शासन द्वारा जिले में इस वर्ष खोले गये नवीन धान उपार्जन केंद्रों से भी किसानों को काफी सहूलियत हुई। नये खरीदी केंद्र खुलने से किसानों को दूर धान बेचने जाने से राहत मिली। जिससे किसानों के पैसे और समय की काफी बचत हुई। इस वर्ष 60 धान खरीदी केंद्रों के माध्यम से जिले के किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदा गया। जिला प्रशासन द्वारा सभी धान उपार्जन केंद्रों में बिजली, पानी, शौचालय, मेडिकल कीट के साथ-साथ खरीदी के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। इन सब व्यवस्थाओं से जिले के किसान काफी संतुष्ट नजर आये।

अनियमित विकास का नियमितीकरण, निगम ने पुनः की दुकानों के सीलिंग की कार्यवाही

कोरबा। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के निर्देश पर निगम के अधिकारियों द्वारा सभी 08 जोन में अनियमित विकास के नियमितीकरण के संबंध में सर्वेक्षण एवं संबंधितों को नोटिस देने की कार्यवाही आज भी जारी रही, वहीं समयसीमा व्यतीत हो जाने के पश्चात दुकान, मकान की सीलिंग की कार्यवाही भी की गई तथा कोरबा जोनांतर्गत 09 दुकानें सील की गई। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने पुनः अपील करते हुए कहा है कि अनियमित विकास व निर्माण के नियमितीकरण हेतु शीघ्र अपने आवेदन निगम में प्रस्तुत करें तथा कार्यवाही से होने वाली असुविधा से बचें।

अनियमित रूप से विकास व निर्माण करने वालों को एक अच्छा विकल्प देने के लिए शासन द्वारा अनियमित विकास की नियमितीकरण की योजना लागू की गई है, नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा इस दिशा में धरातलीय स्तर पर ठोस कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में निगम के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सभी 08 जोन में सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है, अनियमित निर्माण करने वालों को नोटिस दी जा रही है कि वे नियमितीकरण हेतु तत्काल आवेदन दें तथा नियमितीकरण कराएं, यदि निर्धारित समयसीमा में उनके द्वारा आवेदन नहीं दिए जाते तो दुकान, मकान आदि को सील करने की कार्यवाही निगम द्वारा की जा रही है। इसी कड़ी में निगम के कोरबा जोनांतर्गत 09 दुकानों पर सीलिंग की कार्यवाही की गई जबकि इसके पूर्व 18 दुकानों, प्रतिष्ठानों को सील किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार शरदा विहार में निगम अमले ने 08 दुकानों को सील किया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राहुल ने केरल के मुख्यमंत्री विजयन को लिखी चिट्ठी

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को पत्र लिखा है। उन्होंने हाल में राज्य में संदिग्ध परिस्थितियों में एक आदिवासी व्यक्ति की मौत के संबंध में जांच कराने की मांग की है। राहुल गांधी ने कहा कि राज्य सरकार कोझिकोड मेडिकल कॉलेज के पास फंदे से लटके पाए गए विश्वनाथन (46) की मौत की गंभीरता से जांच करे। पत्र में राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री से मानवीय आधार पर व्यक्ति के परिवार को अनुग्रह राशि देने की अपील की है। उन्होंने मृतक के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का भी अनुरोध किया है। दरअसल, व्यक्ति 11 फरवरी को कोझिकोड में मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पास फंदे से लटका हुआ पाया गया था। यहां उसकी पत्नी को प्रसव के लिए भर्ती कराया गया था। इससे पहले अपने निर्वाचन क्षेत्र पहुंचे राहुल गांधी ने वायनाड में उस व्यक्ति के घर जाकर उसके परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी थी।

जॉर्ज सोरोस के मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे : भाजपा

नईदिल्ली। जॉर्ज सोरोस को लेकर अब राजनीतिक बवाल मचा हुआ है। जॉर्ज सोरोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर क्रोनी कैपटलिज्म को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया था कि उनके भारत के उद्योगपति गौतम अडानी से भी मधुर संबंध है। अब इसी को लेकर भाजपा ने जवाब दिया है। पूरे मामले पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जॉर्ज सोरोस को लोकतंत्र में दखल देने की जरूरत नहीं। उनको हर हिंदुस्तानी जवाब देगा। जॉर्ज सोरोस के मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। उन्होंने पीएम मोदी की छवि को धूमिल करने की कोशिश की है। ईरानी ने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री को बदनाम करने के लिए फंडिंग हुए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि देश में सब कुछ संविधान से चलता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से मोदी सरकार चुनकर आई है।

भिवानी की घटना पर ओवैसी ने भाजपा पर बोला हमला

हैदराबाद। हरियाणा के भिवानी कांड में बजरंग दल के पांच कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज हुई है। भिवानी में एक गाड़ी से बरामद 2 जले हुए शवों पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन पार्टी (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भाजपा शासित राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने बीजेपी सरकार पर आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, जुनैद और नासिर को एक संगठित गिरोह ने मारा। हरियाणा की भाजपा सरकार इस घटना की ज़िम्मेदार है क्योंकि वे इस संगठित गिरोह को संरक्षण देते हैं। उन्होंने इस घटना की निंदा करते हुए कहा, मैं हरियाणा में एक संगठित गिरोह द्वारा जुनैद और नासिर की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। सांसद ने खट्टर सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि घटना में नामित एक मोनू को हरियाणा में भाजपा सरकार का संरक्षण प्राप्त है। वे इस घटना के लिए जिम्मेदार हैं।

शिवसेना विवाद पर 21 को सुको में फिर होगी सुनवाई

नईदिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि इसे फिलहाल 7 जजों की पीठ के पास भेजने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने इस मामले में अगली तारीख देते हुए कहा कि अब फरवरी में इस बात पर गुणदोष के आधार पर विचार किया जाएगा। 21 फरवरी को कोर्ट इस पर विचार करेगा कि क्या विधायकों को अयोग्य ठहराने संबंधी विधानसभा अध्यक्ष की शक्तियों पर 2016 के फैसले में संदर्भ की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि 21 फरवरी को इस बात पर गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा कि विधायकों को अयोग्य ठहराने संबंधी विधानसभा अध्यक्ष की शक्तियों पर 2016 के फैसले में संदर्भ की आवश्यकता है या नहीं।

कानपुर में जांच के लिए क्यों नहीं गई केंद्रीय टीम : ममता

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। ममता ने शुक्रवार को बांकुरा में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कानपुर देहात का मामला उठाया। केंद्र सरकार से पूछा कि मां-बेटी की मौत के मामले की जांच के लिए केंद्र सरकार की कोई जांच टीम क्यों नहीं भेजी गई? उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में गरीब लोगों को बेदखल करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। ममता ने कहा कि उनकी सरकार गरीबों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें जमीन का अधिकार देती है। ये भी दावा किया कि उनकी पार्टी के शासन में बंगाल को अति-वामपंथी आतंक से मुक्त करा दिया गया है। बनर्जी ने कहा कि पहले बांकुड़ा, पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम और पुरुलिया जिलों में फैले प्रभावित जंगलमहल क्षेत्र में लोग अपने घरों से बाहर नहीं जा सकते थे, माओवादियों से लूट-हत्या का खतरा रहता था। अब लोग बेखौफ होकर निकल पाते हैं।

मेघालय के मुख्यमंत्री पर बरसे केंद्रीय गृहमंत्री

मेघालय को समृद्ध करने का नहीं हुआ काम : शाह

शिलांग। मेघालय चुनाव को लेकर प्रचार जारी है। मेघालय में भाजपा अपनी ताकत लगा रही है। शुक्रवार को राज्य में प्रचार के लिए गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे थे। उन्होंने मेघायल मे मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। शाह ने साफ तौर पर कहा कि पूर्वोत्तर का समृद्ध बनने के लिए मेघालय में सभी चीजें मौजूद हैं मगर यहां पर जो भी मुख्यमंत्री बना उसने मेघालय को समृद्ध करने के लिए काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए काम नहीं किया गया, उसने अपने परिवार के लिए काम किया। शाह ने आगे कहा कि असम में 8 साल से भाजपा की सरकार है और असम में देखिए कि कैसे विकास होता है। ऐसा ही विकास मेघालय में करना है तो भाजपा को वोट देकर प्रधानमंत्री मोदी के

नेतृत्व में सरकार बनानी पड़ेगी।

अमित शाह ने कहा कि मेघालय में मैंने अब तक भाजपा की यह सबसे बड़ी रैली देखी है, और लोगों की ऊर्जा ने मुझे आश्चस्त किया है कि राज्य में भाजपा की भारी जीत होने जा रही है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने मेघालय के हर घर में नल से जल कनेक्शन के लिए 24,000 करोड़ रुपये दिए। लेकिन उसके बाद भी घरों में जलापूर्ति नहीं की गई। यह पैसा सत्ता में बैठे लोगों ने राज्य से लूटा। उन्होंने कहा कि असम में भाजपा की सरकार है और वहां किसी भी गरीब को अपना इलाज कराने के लिए जेब से पैसा नहीं देना होता है। आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख तक का इलाज मुफ्त में होता है। मेघालय में कमल के निशान पर वोट कीजिए भाजपा की सरकार बनाइए और पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त हो जाएगा।

भाजपा नेता ने कहा कि मोदी जी द्वारा गरीबों के लिए पक्के घर बनाने के लिए पैसे देने के बाद भी लोगों को घर नहीं दिया गया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि राज्य सरकार ने गरीबों के लिए घर बनाने के लिए रखे गए पैसों को लूट लिया। बीजेपी को वोट दो, 2025 से पहले हर गरीब को पक्का घर मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने जहां-जहां सरकार बनाई, सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार समाप्त किया। लेकिन यहां पर मुकुल संगमा आते हैं तो अपने परिवार वालों को नौकरी दे देते हैं, कोनराड संगमा आते हैं तो अपने परिवार वालों और पहचान वालों को नौकरी देते हैं। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि अभी ये मुकुल संगमा अपना नाम बदल कर आ गए हैं। पहले कांग्रेस में थे अब टीएमसी में आ गए हैं। टीएमसी जब बंगाल और वहां के गरीबों की हालत ठीक नहीं कर पाई है तो मेघालय का भला कैसे करेगी?

कांग्रेस ने मेघालय में 'खराब' स्वास्थ्य प्रणाली पर एनपीपी की निंदा की

शिलांग। मेघालय में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा करने में नाकाम रही है और "शिशु एवं मातृ मृत्यु दर सूचकांक के मामले में राज्य का प्रदर्शन बहुत खराब" है। चुनावी राज्य में बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की मीडिया समन्वयक बबीता शर्मा ने कहा कि एनपीपी ने 2018 के चुनावी घोषणापत्र में मेघालय में महिलाओं को सशक्त करने का वादा किया था लेकिन "आंकड़े हमें कोई और ही कहानी बयां करते हैं"।

उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5 =2019-20) में राज्य में स्वास्थ्य प्रणाली की स्थिति का खुलासा हुआ है। 12 महीने से कम उम्र के सिर्फ 26 प्रतिशत बच्चों को ही टीकाकरण मिल पाता है।" उन्होंने कहा कि मातृ मृत्यु दर भी प्रति 100,000 पर 197 है और शिशु मृत्यु दर प्रति 1,000 शिशुओं के जन्म पर 34 प्रतिशत है। शर्मा ने कहा कि कोनराड संगमा के नेतृत्व वाली सरकार ने घोषणा की थी कि वह स्कूल छोड़ने की दर को कम करने के लिए कदम उठाएगी, लेकिन मेघालय के लिए 2019-20 में सकल नामांकन अनुपात बताता है कि "राज्य सूची में अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर जैसे अन्य पूर्वोत्तर प्रदेशों से पीछे है"। एआईसीसी नेता ने सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मेघालय महिलाओं के खिलाफ अपराध को कम करने में भी नाकाम रहा है। मेघालय में 27 फरवरी को चुनाव होने वाले हैं और मतों की गिनती दो मार्च को होगी।

भाजपा अध्यक्ष 20 को कर्नाटक के उडुपी में पार्टी के 3 कार्यक्रमों में होंगे शामिल

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सोमवार को कर्नाटक के उडुपी में जिला स्तरीय बूथ समिति सम्मेलन और दो अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक, नड्डा ब्यंदूर में मेगा व्हीकल जत्था में हिस्सा लेने के बाद मुल्लिकट्टे में जनसभा करेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नाटक के उडुपी जाएंगे। वह उडुपी में सुबह 10 बजे जिला स्तरीय बूथ समिति के सम्मेलन में भाग लेंगे और बाद में दोपहर 2 बजे बिंदूर में मेगा वाहन जत्थे में भाग लेंगे और दोपहर 2.30 बजे मुल्लिकत्ते में एक जनसभा करेंगे। आगे उन्होंने कहा कि उडुपी कार्यक्रम में 1,111 बूथ समितियों के सदस्य शामिल होंगे। जिले की 1,111 बूथ समितियों के सदस्य उडुपी में कार्यक्रम में शामिल होंगे और उनकी भागीदारी के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। विशेष रूप से, पार्टी के शीर्ष नेता अक्सर पार्टी कार्यकर्ताओं के विश्वास को बढ़ाने के लिए ऐसी बैठकों में भाग लेते हैं, क्योंकि उन्हें नड्डा के कार्यक्रम से पहले अपने कर्तव्यों को पूरा करने का निर्देश दिया गया है ताकि हर कोई उनके साथ बातचीत करने के लिए इसमें शामिल हो सके। विधान सभा के सभी 224 सदस्यों का चुनाव करने के लिए अप्रैल-मई में कर्नाटक विधानसभा चुनाव होने हैं। जुलाई 2018 में नेतृत्व परिवर्तन करके, कर्नाटक एकमात्र दक्षिणी राज्य है जहां भाजपा सत्ता में है। तत्कालीन मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की जगह बसवराज बोम्मई को लाया गया।

नीतीश ने बीबीसी के परिसरों पर आईटी के सर्वेक्षणों की आलोचना की

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के परिसरों पर आयकर विभाग के सर्वेक्षण नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना के प्रति असहिष्णुता के स्पष्ट संकेत हैं। पटना में आयोजित एक समारोह में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान बीबीसी के कार्यालयों पर आयकर विभाग की कार्रवाई से जुड़े एक सवाल पर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के शीर्ष नेता ने कहा, "बीबीसी पर हुई कार्रवाई से समझ लीजिए कि उन लोगों की इच्छा क्या है, यह बहुत स्पष्ट है। उन लोगों के खिलाफ कोई भी बोलेगा तो कार्रवाई होगी। मैं समाधान यात्रा पर था, इसलिए इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं है।" पत्रकारों के अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि "हमारे खिलाफ जिसको जो बोलना है और जो कहना है कहते रहें। हम रात-दिन लोगों की सेवा करने और काम करने में लगे रहते हैं। हम सबके हित में लगातार काम करते रहते हैं। किसी के हमारे खिलाफ बोलने से हमको कोई फर्क नहीं पड़ता है। जनता मालिक है। जनता सब देख रही है कि कौन क्या कर रहा है।" उन्होंने कहा, "पहले जो काम करते थे उनकी मीडिया में चर्चा होती थी, लेकिन आजकल जो लोग बोलते हैं उन्हीं की मीडिया में ज्यादा चर्चा होती है।"

संसद में गौतम अडाणी मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की मांग से संबंधित प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कहीं कोई घटना घटती है तो सांसदों को अपनी बातों को रखने का अधिकार है। जब हम भी विपक्ष में थे तब भी उस समय की सरकार हमारी बातें सुनती थी। उन्होंने कहा, " श्रद्धेय अटल की सरकार में हम मंत्री थे तब वह भी विरोधियों की भी बात सुनते थे।

नीतीश कुमार ने सुधाकर सिंह पर किया तीखा हमला

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व कृषि मंत्री और राजद के विधायक सुधाकर सिंह पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि सुधाकर सिंह क्या बोलते हैं नहीं बोलते हैं, उससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। राज्य में कृषि के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है। सब लोगों को मालूम है। हमारी सरकार किसानों के लिए समर्पित है। हमलोग हमेशा किसानों के लिए ही काम करते रहे हैं। जिसको पता नहीं है तो कुछ भी बोलते रहे। शहद और बाजार के क्षेत्र में काफी काम हुआ। पूरे गांव में कहीं कोई मकान दिखता था, आज देखिए। लोग बोलेंगें तो ही हमारे काम को वैल्यू मिलेगा। सीएम ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कोई कुछ भी बोल रहा है तो उसे बोलने दीजिए।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट में 263 पर सिमेटा

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दिल्ली में खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरा टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 263 पर सिमट गई है। पीटर हैंड्स्कॉम्ब ने 72 और उस्मान ख्वाजा ने 82 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से शमी ने 4, अश्विन ने 3 और जडेजा ने 3 विकेट लिए।

69 ओवर में रवींद्र जडेजा ने दो विकेट लिए। पहले 227 रन के स्कोर पर पैट कमिंस को आउट किया इसके बाद उन्होंने मर्फी को क्लीन बोल्ड किया। रवींद्र जडेजा ने पैट कमिंस को 33 रन के स्कोर पर आउट किया। कमिंस एलबीडबल्यू आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाए। वहीं मर्फी मर्फी ने चार गेंदों का सामना किया और अपना खाता भी नहीं खोल पाए।

स्पिन गंदबाजों के लिए मददगार मानी जा रही पिच पर कमाल की गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद शमी ने चार विकेट लेकर सबका ध्यान खींचा। भारत के लिए राहत की बात ये है कि ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में सिर्फ एक तेज गेंदबाज खिलाया है। मैथ्यू कुहनमैन को टीम में शामिल किया गया है। कुहनमैन का यह पहला अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच है। इसके अलावा नाथन लियोन और टेड मर्फी भी स्पिन की जिम्मेदारी संभालेंगे। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर एक बार फिर असफल रहे। उन्होंने 15 रन बनाए। डेविड वॉर्नर को 15 रन के स्कोर पर विकेटकीपर श्रीकर भरत के हाथों कैच कराया। वॉर्नर ने 44 गेंद की पारी में तीन चौके लगाए। ऑस्ट्रेलिया के 263 के जवाब में खेलने उतरी कप्तान रोहित और राहुल की सलामी जोड़ी ने संभल के खेला और भारत का स्कोर 21 रन रहा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे मैच में कई रिकॉर्ड भी बने। इस मैच में भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने खास उपलब्धि हासिल की।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 317 अंक टूटा, निफ्टी 18,000 के नीचे हुआ बंद

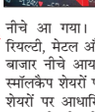

नईदिल्ली। कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली देखने को मिली। सेंसेक्स में 317 अंको की गिरावट आई, वहीं निफ्टी 92 अंक फिसलकर 18,000 के नीचे आ गया। आज के कारोबार में बैंकिंग, रियल्टी, मेटल और फार्मा शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। आज बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर दबाव देखने को मिला। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 316.94 अंक यानी 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ 61,002.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ऊंचे में 61,302.72 अंक तक गया और नीचे में 60,810.67 अंक तक आया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 91.65 अंक यानी 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ 17,944.20 अंक पर बंद हुआ।

ओईसीडी सेवा सूचकांक में भारत की स्थिति सुधरी

नईदिल्ली। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) द्वारा कराए गए सर्वे के मुताबिक सर्विस ट्रेड रेस्ट्रिक्टिवनेस इंडेक्स (एसटीआरआई) में भारत 50 देशों में 48वें स्थान से उठकर अब 47वें स्थान पर पहुंच गया है। वहीं प्रतिबंधों से प्रभावित रूस अब भारत से नीचे चला गया है। ओईसीडी-एसटीआरआई सूचकांक में ओईसीडी के 38 देशों के साथ ब्राजील, चीन, भारत, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, मलेशिया, पेरू, रूस, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। रूस, इंडोनेशिया और थाईलैंड ही भारत से निचले पायदान पर हैं। ओईसीडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, '2022 में भारत का एसटीआरआई, ओईसीडी के औसत से ज्यादा है। कुछ प्रमुख सेवा क्षेत्रों में बाजार तक पहुंच अभी विदेशियों के लिए वर्जित है, या कड़ी शर्तों के अधीन है।

एलन मस्क ने भारत में तीन में से दो ट्विटर ऑफिस किए बंद

नई दिल्ली। ट्विटर इंक ने अपने तीन भारत कार्यालयों में से दो को बंद कर दिया है और अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा है। एनडीटीवी ने इस मामले से अवगत लोगों के हवाले से बताया कि पिछले साल के अंत में भारत में अपने लगभग 200 से अधिक कर्मचारियों में से 90 प्रतिशत से अधिक को निकालने वाली कंपनी ट्विटर ने नई दिल्ली और मुंबई में अपने कार्यालय बंद कर दिए है। पहचान न बताने की शर्त पर लोगों ने बताया कि कंपनी बेंगलुरू में एक कार्यालय का संचालन कर रही है जिसमें ज्यादातर इंजीनियर हैं। ट्विटर के नए सीईओ एलन मस्क ने 2023 के अंत तक ट्विटर को वित्तीय रूप से स्थिर करने के प्रयास के तहत कर्मचारियों को निकाल दिया और दुनिया भर के कार्यालयों को बंद कर दिया।

एअर इंडिया ने दिए 840 विमानों के ऑर्डर

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी एअर इंडिया ने एयरबस और बोइंग कंपनियों को कुल 840 विमान खरीद का ऑर्डर दिया है। इनमें से 370 विमान अगले 10 साल में लेने का वैकल्पिक खरीद अधिकार अपने पास रखा है। ये पक्के ऑर्डर पर लिए जा रहे 470 विमानों के अलावा होंगे। इससे भारत दुनिया के हर प्रमुख देश से सीधे जुड़ सकेगा। एअर इंडिया के मुख्य व्यावसायिक व रूपांतर अधिकारी निपुण अग्रवाल ने भारतीय उड्डयन क्षेत्र में इस ऑर्डर को ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि इसने पूरे विश्व में उत्साह जगाया है। एअर इंडिया ने बताया था कि एयरबस से 210 ए320/321 नियो/एक्सएलआर और 40 ए350-900/1000 विमान खरीदे जा रहे हैं। बोइंग से 190 की संख्या में 737-मैक्स, 20 की संख्या में 787 और 10 की संख्या में 777 विमान खरीदे जाएंगे।

मांग में कमी के कारण घटा भारत का आयात

श्रेया नंदी

चीन, सऊदी अरब, ईराक, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर से उत्पादों की मांग में कमी के कारण भारत का आयात जनवरी महीने में 17 माह के निचले स्तर 50.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

भारत के शीर्ष 10 आयात साझेदारों में से सिर्फ संयुक्त अरब अमीरात (12.1 प्रतिशत), अमेरिका (27.4 प्रतिशत), रूस (297.4 प्रतिशत) और इंडोनेशिया (22.9 प्रतिशत) से होने वाला आयात बढ़ा है। बिजनेस स्टैंडर्ड की समीक्षा के मुताबिक शीर्ष 10 देशों की भारत के कुल आयात में हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से ज्यादा है।

रूस से आयात सबसे ज्यादा तेज बढ़ा है और यह जनवरी में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 4 गुना बढ़कर 4.48 अरब डॉलर हो गया है। रूस अब अमेरिका और यूएई से आगे निकल गया है। यह तेज बढ़ोतरी मुख्य रूप से सस्ते तेल आयात की वजह से हुई है, जो भारत रूस से खरीद रहा है। मूल्य के हिसाब से देखें तो जनवरी में रूस भारत का दूसरा सबसे बड़ा आयात साझेदार है, जबकि पहले स्थान पर चीन है।

पिछले कई साल से चीन भारत का सबसे बड़ा आयात साझेदार बना हुआ है और दिलचस्प है कि जनवरी में चीन से होने वाला आयात 13 प्रतिशत कम हुआ है। सरकार चीन व अन्य देशों से उत्पाद के मुताबिक हुए आयात के आंकड़े अभी तैयार कर रही है, लेकिन मांग में कमी की वजह कोविड 19 के कारण आयात में कमी के साथ कमजोर घरेलू मांग हो सकती है। सऊदी अरब और ईराक कच्चे तेल के मुख्य आपूर्तिकर्ता हैं, जहां से आयात क्रमश: 14.3 प्रतिशत और 11.2 प्रतिशत कम हुआ है। दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर से आयात क्रमश: 14.1 प्रतिशत, 26.7 प्रतिशत और 9.8

प्रतिशत कम हुआ है।

बुधवार को जारी जनवरी के कारोबार के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल की तुलना में आयात 3.6 प्रतिशत कम हुआ है और पिछले मंहीने की तुलना में आयात 13 प्रतिशत कम हुआ है। इसकी कई वजहें हैं, जिसमें सरकार द्वारा गैर जरूरी आयात जैसे सोने पर लगाम लगाना, कमजोर घरेलू मांग और जिंसों की कीमत कम होना है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने भी कहा कि आयात में गिरावट से यह भी संकेत मिलता है कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम सफल हो रहा है। समग्र आधार पर आयात अप्रैल-जनवरी के दौरान करीब 22 प्रतिशत बढ़कर 602.19 अरब डॉलर रहा है, क्योंकि रूस और यूक्रेन के बीच टकराव के कारण जिंस की कीमत अधिक थी और आयात की लागत बढ़ गई थी।

आयात के 30 प्रमुख क्षेत्रों में से कम से कम 17 क्षेत्रों में आयात घटा है। इसमें अकार्बनिक रसायन, प्लास्टिक, मोती, कीमती व कम कीमती पत्थर, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान व अन्य शामिल हैं। जहां तक निर्यात का प्रश्न है, भारत के शीर्ष 10 निर्यात साझेदारों में से 6 जगहों पर निर्यात घटा है, जिसमें अमेरिका, चीन, सिंगापुर, बांग्लादेश, ब्राजील और जर्मनी शामिल हैं। इसकी वजह से कुल निर्यात में 6.5 प्रतिशत कमी आई है। इन 10 देशों की भारत के कुल निर्यात में हिस्सेदारी 47.7 प्रतिशत है। भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात जनवरी महीने में पिछले साल की तुलना में 6.5 प्रतिशत घटकर 32.91 अरब डॉलर हो गया है। केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक नीति सख्त करने की वजह से प्रमुख बाजारों से मांग घटी है। पिछले महीने की तुलना में निर्यात 4.5 प्रतिशत कम हुआ है।

एक दशक से अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। जनवरी में अमेरिका को हुए निर्यात का मूल्य 12.1 प्रतिशत कम होकर 5.7 अरब डॉलर रह गया।

चीन के मामले में पिछले महीने की तुलना में संकुचन 11.3 प्रतिशत रहा है, जो भारत का दूसरा बड़ा कारोबारी साझेदार है और चौथा सबसे बड़ा निर्यात साझेदार है। चीन में कोविड-19 को लेकर सख्ती से आर्थिक गतिविधियों में आई सुस्ती के कारण ऐसा हुआ है।

वहीं 4 देशों संयुक्त अरब अमीरात (3.7 प्रतिशत), नीदरलैंड (33.3 प्रतिशत), ब्रिटेन (8.1 प्रतिशत) और सउदी अरब (77.2 प्रतिशत) में निर्यात बढ़ा है।

मोदी का कौन सा गुप्त संदेश लेकर पुतिन से मिले डोभाल

हरीश गुप्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुनहरे शब्द याद रखें, 'संकट में हमेशा एक अवसर होता है।' उनका शांत और संयत रूप पहली बार 27 अक्तूबर, 2013 को देखा गया था जब भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में उनकी एक विशाल रैली के दौरान पटना शहर में बम विस्फोट हुए थे। गुजरात के भूकंप प्रभावित इलाके हों या पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों की शहादत, हर संकट के बाद वह और मजबूत होकर उभरे। अब मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति समझौते में मध्यस्थता करके वैश्विक क्षेत्र में अपने लिए एक भूमिका देखते हैं। यह भारत के लिए एक उपलब्धि है कि देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ दो बैठकें कीं। ऐसा पहली बार हुआ है। डोभाल की अफगानिस्तान पर क्षेत्रीय वार्ता के हिस्से के रूप में सात देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ एक निर्धारित बैठक थी। लेकिन अचंभा तब हुआ जब पुतिन ने डोभाल को आमने-सामने की मुलाकात के लिए आमंत्रित किया, जो लगभग एक घंटे तक चली। यह एक दुर्लभ उपलब्धि है। एक बात लेकिन और पहली बार हुई जब व्हाइट हाउस ने मोदी द्वारा किए गए प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका ऐसे किसी भी प्रयास का स्वागत करेगा जो शत्रुता को समाप्त कर सकता हो। प्रधानमंत्री मोदी ने कई मौकों पर रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से बात की है और 16 सितंबर को उज्बेकिस्तान में पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जहां उन्होंने कहा कि 'आज का युग युद्ध का नहीं है'।

मोदी ने पुतिन से संघर्ष खत्म करने के लिए कहा। यह भी ध्यान देने की बात है कि भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूसी हमले की आलोचना नहीं की है और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ नियमित संपर्क में रहा है। यह मोदी ही थे जिन्होंने युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को सुरक्षित मार्ग देने के लिए रूस और यूक्रेन को संघर्ष विराम की घोषणा करने के लिए राजी किया। पता चला है कि डोभाल मोदी का पुतिन के लिए एक गुप्त संदेश लेकर गए थे। निश्चित रूप से, यदि संभव हो तो, अमेरिका मोदी को शांति समझौता करने के लिए प्रेरित करना चाहता है। लेकिन यह पहली बार है जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री युद्धरत दो देशों के साथ बातचीत कर रहा है। कैसी विडंबना है! यह वही अमेरिका है जिसने मोदी को वीजा देने से इंकार कर दिया था और अब मोदी को शांति का दूत बनाना चाहता है। क्या मोदी शांति के नोबल पुरस्कार की कतार में हैं! वर्तमान में संस्कृति मंत्रालय में उपसचिव के पद पर तैनात आईएएस अधिकारी शाह फैसल ने अडानी के मुद्दे पर टिप्पणी की है। उनके हालिया ट्वीट ने सरकार को चौंका दिया है। फैसल जम्मू-कश्मीर के पहले यूपीएससी टॉपर थे, जिन्होंने तीन साल पहले 'भारत में बढ़ती असहिष्णुता' का हवाला देते हुए सेवा से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बनाई। हालांकि, एक आश्चर्यजनक फैसले में, मोदी सरकार ने उन्हें पिछले साल आईएएस में फिर से शामिल होने की अनुमति दी क्योंकि उन्होंने अपने फैसले पर खेद व्यक्त करते हुए कहा, 'उनके आदर्शवाद ने उन्हें निराश किया।'

नेहरू-गांधी परिवार के सरनेम का इतिहास

देवेश खंडेलवाल

भाग-एक

जवाहरलाल नेहरू ने अपने खानदान की शुरुआत जम्मू और कश्मीर से उनके एक पूर्वज के पलायन से की है। दरअसल, 1707 में मुगल बादशाह औरंगज़ेब के निधन के समय कश्मीर में फारसी और संस्कृत के एक विद्वान हुआ करते थे जिन्हें पंडित राज कौल के नाम से जाना जाता था। औरंगज़ेब के बाद मुगल सल्तनत की गद्दी जब बादशाह फर्रुखसियर को मिली तो अपने एक कश्मीर दौरे पर उनकी नजर राज कौल पर पड़ी। मुगल बादशाह ने राज कौल को दिल्ली आकर बसने का न्यौता दे दिया। जिसके बाद, 1716 के आसपास राज कौल अपने परिवार के साथ दिल्ली आकर बस गए। बदले में उन्हें मकान और जागीर दी गयी। मकान नहर के किनारे स्थित था, इसलिए उन्हें नेहरू कहा जाने लगा। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा के अनुसार, कौल जो उनका खानदानी सरनेम था, वह बदलकर कौल-नेहरू हो गया और आगे चलकर कौल गायब हो गया और हम महज नेहरू रह गए।

मुगल साम्राज्य के विघटन के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी का भारत में वर्चस्व होना शुरू हो चुका था। अपना प्रभुत्व जमाने के लिए कंपनी ने छोटी-मोटी जागीरों को हड़पना शुरू कर दिया। इन्ही में एक जागीर राज कौल की भी थी। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा के अनुसार, जब हम नेहरू के नाम से पहचाने जाने लगे तो एक ऐसा डांवाडोल जमाना आया कि जिससे हमारे कुटुंब के जीवन में कई उतार-चढ़ाव आये, जिसमें वह जागीर भी तहस-नहस हो गयी।

जब यह जागीर समाप्त हुई तो वहां के जागीरदार राज कौल के पौत्र मौसाराम नेहरू थे। जागीर चली जाने पर मौसाराम के बेटे लक्ष्मीनारायण नेहरू ईस्ट इंडिया कंपनी में वकील की नौकरी करने लगे। जबकि लक्ष्मीनारायण के बेटे गंगाधर नेहरू थे जोकि कथित तौर पर दिल्ली में कोतवाल के रूप में तैनात थे। साल 1857 के विद्रोह के दौरान यह परिवार दिल्ली से आगरा जाकर बस गया। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा के अनुसार, 1857 के गदर की वजह से दिल्ली से हमारे परिवार का सब सिलसिला टूट गया। हमारे खानदान के तमाम कागज-पत्र और दस्तावेज तहस-नहस हो गए। इस तरह अपना सबकुछ खो चुकने पर हमारा परिवार दिल्ली छोड़ने वाले कई और लोगों के साथ आगरा में जाकर बस गया।

यहां एक बात ध्यान देने वाली यह है कि 1857 के महासंग्राम से जुड़े किसी भी अधिकारिक दस्तावेज में गंगाधर नाम के किसी व्यक्ति का दिल्ली में कोतवाल के रूप में तैनात होने का कोई उल्लेख नहीं है। दिल्ली स्थित जामिया मिलिया इस्लामिया में इतिहास और संस्कृति विभाग में प्रोफेसर एस.एस. अजीजुद्दीन हुसैन की पुस्तक 1857 रिविजिटेड बेस्ड ऑन पर्सियन एंड उर्दू डाक्यूमेंट्स के अनुसार दिल्ली में उस दौरान गंगाधर नाम का कोई व्यक्ति कोतवाल नहीं था। इस पुस्तक में राष्ट्रीय अभिलेखागार के दस्तावेजों के आधार पर बताया गया है कि गदर के समय दिल्ली का कोतवाल काजी फैजुल्लाह था।

लाहौर से प्रकाशित 1857 इन द मुस्लिम हिस्ट्रीग्राफी पुस्तक के संपादक एम. इकराम चगाताई के अनुसार काजी फैजुल्लाह से पहले दिल्ली का कोतवाल नवाब मोईनुद्दीन नाम का व्यक्ति था जिसे कंपनी का जासूस होने के चलते हटा दिया गया था। उसने एक पुस्तक लिखी जिसका अनुवाद एक ब्रिटिश अधिकारी ने किया था। साल 1898 में प्रकाशित उस पुस्तक का नाम टू नैटिव नैरेटिव्स ऑफ द म्युटिनी इन डेल्ही था, जिसमें कहीं भी गंगाधर नेहरू का कोतवाल के रूप में तैनात होने का जिक्र नहीं है।

खैर, गंगाधर नेहरू दिल्ली के कोतवाल थे या नहीं, इस पर संशय है। पता नहीं, जवाहरलाल नेहरू ने भी किस आधार पर अपने दादा को दिल्ली का कोतवाल बताया है? हां, इतना जरुर है कि आगरा में ही गंगाधर नेहरू के सबसे छोटे बेटे का जन्म हुआ जिनका नाम मोतीलाल नेहरू रखा गया। मोतीलाल के बड़े भाई नन्दलाल राजस्थान की खेतड़ी रियासत में दीवान की नौकरी करते थे। इतिहासकार बीआर नंदा अपनी पुस्तक मेकर्स ऑफ मॉडर्न इंडिया - मोतीलाल नेहरू में लिखते है कि मोतीलाल की शुरूआती पढ़ाई इसी खेतड़ी रियासत में काजी सदरुद्दीन के यहां हुई जो उन्हें अरबी और पर्शियन पढ़ाते थे।

मोतीलाल ने वकालत की पढ़ाई आगरा और कानपुर में पूरी की। जल्दी ही वे कानपुर के प्रमुख वकीलों में गिने जाने लगे। कुछ समय बाद मोतीलाल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत शुरू कर दी। बीआर नंदा के अनुसार साल 1900 में उन्होंने मुरादाबाद के रहने वाले कंवर परमानन्द से इलाहबाद में एक आलिशान मकान खरीद लिया। इस मकान में एक बड़ा बगीचा और स्विमिंग पूल भी था लेकिन मकान बेहद टूटा-फूटा था। इसलिए मोतीलाल को यह मकान भी बेहद कम दामों यानी मात्र 19000 हजार में मिल गया। मगर उन्होंने उसके पुनर्निर्माण में लाखों रुपये खर्च किये। बीआर नंदा के मुताबिक मोतीलाल नेहरू ने 1900, 1905 और 1909 की अपनी यूरोप यात्राओं के दौरान इस घर की सजावट के लिए खरीददारी की जिसमें काफी पैसा और समय दोनों खर्च किया। इस खरीददारी में महंगी कारें और अरबी घोड़े तक शामिल थे। जब मकान का जीर्णोद्वार पूरा हुआ तो उसका नाम आनंद भवन रखा गया।

जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा के अनुसार उनका बचपन, पिता मोतीलाल नेहरू के मुंशी मुबारक अली के साथ बिता। मुबारक अली का परिवार भी 1857 में खत्म हो गया था और वे इलाहाबाद आकर बस गए। मुबारक अली और जवाहरलाल नेहरू के बीच बहुत घनिष्ठ संबंध था। जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें अपने बचपन का सबसे भरोसे का आदमी कहकर संबोधित किया है। बतौर जवाहरलाल नेहरू घंटों उनके पास लेटे-लेटे अलिफलैला और अन्य कहानी-किस्सें सुना करते थे।

कश्मीर से दिल्ली, फिर आगरा होते हुए इलाहाबाद तक के सफर में राज कौल से लेकर मोतीलाल नेहरू तक यह परिवार भारतीय राजनीति में एक परिचित नाम हो गया था। फिर जवाहरलाल नेहरू की राजनैतिक सक्रियता से इस कौल-नेहरू परिवार की ख्याति और बढ़ गयी। इसी दौरान जवाहरलाल नेहरू की एक बेटी का 19 नवंबर 1917 को जन्म हुआ, जिसका नाम इंदिरा नेहरू रखा गया। इंदिरा को घर में इंदु और प्रियदर्शिनी भी कहा जाता था। जब इंदिरा नेहरू की मां कमला नेहरू इलाहाबाद में राजनैतिक रूप से सक्रिय थी तब उनकी मुलाकात फिरोज गांधी से हुई जो उस समय छात्र हुआ करते थे। साल 1931 के आसपास इंदिरा नेहरू और फिरोज गांधी अच्छे दोस्त बन गए थे।

कांग्रेस नेता शशि भूषण अपनी पुस्तक फिरोज गांधी- ए पॉलिटिकल बायोग्राफी में लिखते है कि फिरोज का जन्म 12 सितम्बर 1912 को एक पारसी परिवार में हुआ था। उनके पिता जहांगीर फरेदून और मां रत्तीमई थी। जबकि इंदिरा गांधी की सबसे लोकप्रिय जीवनी लिखने वाली कैथरीन फ्रेंक अपनी पुस्तक इंदिरा- द लाइफ ऑफ इंडिया नेहरू गांधी में लिखती है, यह एक सच्चाई है कि फिरोज गांधी का कोई जन्म प्रमाण पत्र नहीं है। इसके अलावा दूसरी एक सच्चाई यह है कि बंबई के पारसी मैटरनिटी हॉस्पिटल में 12 सितम्बर 1912 को रत्तीमई ने किसी लड़के को जन्म नहीं दिया था। इसलिए उनकी सगी मां शिरीन कमिस्सेरियट हो सकती है।

दरअसल, फिरोज का जन्म तो बंबई में ही हुआ था और अधिकतर पुस्तकों में रत्तीमई को इनकी मां बताया गया है। मगर कैथरीन इस तथ्य को नकारती है। वहीं, फिरोज- द फॉरगॉटेन गांधी के लेखक बर्टिल फाल्क लिखते हैं कि जब फिरोज सात महीने के थे तो उनको उनकी मां की बहन यानी मौसी डॉ. शिरीन कमिस्सेरियट ने गोद ले लिया था। बर्टिल ने यह दावा फिरोज की चचेरी बहन माकी डी. कमिस्सेरियट से एक इंटरव्यू लेने के बाद किया था।

बर्टिल ने अपनी पुस्तक लिखने से पहले फिरोज से जुड़े कई लोगों से मुलाकात की थी। दरअसल, वे फिरोज को गोद लेने वाले तथ्य से संतुष्ट नहीं थे। अपनी पुस्तक में वे लिखते हैं कि डॉ. शिरीन कमिस्सेरियट वैसे तो अविवाहित थी लेकिन उनकी इलाहाबाद के एक वकील, राज बहादुर कमला प्रसाद से बहुत गहरी दोस्ती थी। बर्टिल को मिली जानकारी के अनुसार डॉ. शिरीन का विवाह नहीं हुआ था फिर भी उन्होंने गर्भ धारण किया और वे पूरे एक साल तक इलाहाबाद से बाहर रही।

क्रमशः ...

भारतीय ज्ञान परंपरा....

ब्रह्मविद्योपनिषद (भाग-03)

गतांक से आगे...

जिस प्रकार तिलों में तैल एवं पुष्पों में गंध विद्यमान रहता है, उसी प्रकार पुरुष के इस शरीर में बाहर-भीतर वही ब्रह्म विद्यमान रहता है। जिस प्रकार मशाल के प्रकाश से द्रव्य (वस्तु) को देख करके मशाल का परित्याग कर दिया जाता है, उसी प्रकार ज्ञान के माध्यम से ज्ञातव्य विषय की प्राप्ति हो जाने पर ज्ञान का परित्याग कर दिया जाता है।

सकल अर्थात् कलायुक्त को पुष्प की भाँति एवं उसकी गंध को निष्कल (कलारहित) की भाँति माने अथवा सकल वृक्ष के सदृश है और उसकी छाया निष्कल (कलारहित) है। (ऊपर कहे अनुसार) निष्कल एवं सकल भाव सर्वत्र दृष्टिगोचर होता है। कला सम्पन्न वस्तु उपाय या साधन है तथा उपेय या साध्य (ब्रह्म) कलारहित है।

सकल में कलायुक्त भाव तथा निष्कल (अखण्ड-निर्विकार) में निष्कल भाव रहता है। (वह सकल) एक मात्रा, दो मात्रा एवं तीन मात्रा के भेद वाला अर्धमात्रा को पर मानना चाहिए, उसके ऊपर परात्पर है। (इस प्रकार) सकल पाँच दैवत वाला पाँच प्रकार का (पंच प्राण एवं पंचभूतात्मक) जानना चाहिए। ब्रह्म का स्थान हृदय में है, विष्णु कण्ठ में निवास करते हैं, तालु में भगवान् रुद्र तथा ललाट (मस्तक) में महेश्वर स्थित हैं।

नासिका के अग्रभाग में अच्युत (सदाशिव) तथा उसके अन्तिम भाग (भ्रूमध्य) में परम पद को प्रतिष्ठित जानना चाहिए। (उस) पर (श्रेष्ठ) से पर (श्रेष्ठ) और कुछ भी नहीं है, ऐसा शास्त्रों का निर्णय है। उस देहातीत को नासिका के अग्र भाग से बारह अंगुल ऊपर जानना चाहिए तथा उसके अन्तिम भाग (सहस्रार चक्र) में व्यापक प्रभु को स्थित जानना चाहिए।

मन चाहे इधर-उधर चला जाये और चाहे नेत्र अन्यत्र ही देखते रहें, तब भी योगियों का योग अविच्छिन्न भाव से चलता रहता है। यह सबसे गूढ़ रहस्य है, यही सर्वाधिक श्रेष्ठ है, इससे बढ़कर तथा इससे श्रेष्ठ और कुछ भी नहीं है। शुद्ध ज्ञानामृत को प्राप्त करके परम अक्षर तत्त्व का निर्णय करना चाहिए। यह गुह्य से गुह्य एवं गोपनीय हैं, जो प्रयत्नपूर्वक ग्रहण करने योग्य है। यह ब्रह्मविद्या न तो अपुत्र को देनी चाहिए और न ही अशिष्य को कभी देनी चहिए। यह विद्या उसी को देनी चाहिए, जो गुरु का सच्चा भक्त हो। सदा नित्य भक्ति परायण रहे, इस शास्त्र विद्या को किसी अन्य को नहीं देना चाहिए। यदि कोई देगा भी, तो वह देने वाला नरक को जायेगा और सिद्धि भी नहीं प्राप्त होगी।

ब्रह्मचारी, गृहस्थ, वानप्रस्थ तथा संन्यासी कोई भी हो एवं कहीं भी निवास करता हो, परम अक्षर तत्त्व को जानने वाला सर्वदा ज्ञानी ही होता है। यदि कोई मनुष्य विषय-भोगी, विषयों में आसक्त रहने वाला हो, तब भी वह इस शास्त्र के ज्ञान से देहान्तर (मृत्यु) के पश्चात् शुभ गति को प्राप्त हो जाता है। जो ब्रह्महत्या के पाप तथा अश्वमेधादि के पुण्य में लिप्त नहीं रहते हैं, ऐसे श्रेष्ठ ज्ञानी प्रेरक, बोधक एवं मोक्षदाता माने गये हैं। संसार में आचार्य इन्हीं तीन श्रेणियों के कहे गये हैं। प्रेरक मार्ग दिखलाता है, बोधक- यथार्थ बोध (ज्ञान का आचरण) कराता है, मोक्षप्रदाता परम श्रेष्ठ तत्त्व प्रदान करता है, जिसे जानकर परमात्मा की प्राप्ति की जा सकती है। हे गौतम! अब तुम शरीर में यजन के सन्दर्भ में श्रवण करो। इस (कृत्य) के करने से मनुष्य शाश्वत, अव्यय पद को प्राप्त कर लेता है तथा स्वयं अपने शरीर (देह) के अन्दर ही निष्कल (कलारहित) और बिन्दु को देख लेता है।

दोनों अयनों के सदृश दिन-रात्रि के एक-एक प्रहर तक रेचक, पूरक तथा कुम्भक प्राणायाम करे। सर्वप्रथम दोनों (तथा हंस) का उच्चारण करके यथाक्रमानुसार पूजन सम्पन्न करे। (हंसः, सोऽहम-इस) नमस्कार योग के द्वारा तथा (शाम्भवी, खेचरी आदि) मुद्राओं के माध्यम से अर्चन पूजन करे।

क्रमशः ...

आजादी के लिए प्राण देने वाले क्रांतिकारी मदन लाल

अमृता गोस्वामी

समस्त भारतवर्ष आज आजादी का 75 वां अमृत महोत्सव मना रहा है, जो याद दिलाता है देश को आजादी दिलाने वाले उन महान क्रांतिकारियों की जो भारत की स्वतंत्रता के लिए ही जिए और भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण तक न्योछावर करने में जरा भी नहीं हिचकिचाए। ऐसे ही महान क्रांतिकारियों में एक नाम है मदनलाल ढींगरा का जिन्होंने अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए विदेश में रहते हुए भी एक महान क्रांति रची थी।

मदनलाल ढींगरा का जन्म 18 फरवरी 1883 को अमृतसर के एक संपन्न परिवार में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा अमृतसर में हुई थी। वर्ष 1904 में ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता सम्बंधित क्रांति गतिविधियां करने के आरोप में मदनलाल ढींगरा को कॉलेज से निकाल दिया गया जिसके बाद 1906 में बड़े भाई की सलाह पर मदनलाल उच्च शिक्षा के लिए लंदन गए जहाँ उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में यांत्रिक प्रौद्योगिकी में प्रवेश लिया।

लंदन में मदनलाल की मुलाकात महान राष्ट्रवादी विनायक दामोदर सावरकर एवं श्यामजी कृष्ण वर्मा से हुई और लंदन में वह इंडिया हाउस में रहने लगे जो तब भारतीय विद्यार्थियों के राजनैतिक क्रियाकलापों का केन्द्र हुआ करता था। इंडिया हाउस में सभी भारतीय देशभक्त अंग्रेजों द्वारा खुदीराम बोस, कन्हाई लाल दत्त, सतिंदर पाल और काशी राम जैसे क्रांतिकारियों को मृत्युदंड दिए जाने और अंग्रेजों के भारतीयों के प्रति अन्याय को लेकर अत्यंत क्रोधित थे। यह सब देख, सुनकर मदनलाल के मन में भी ब्रिटिश राज्य के खिलाफ जो चिंगारी थी वह अब और भी विकराल हो गई थी। 1 जुलाई 1909 को मदनलाल ढींगरा लंदन में 'द नेशनल इंडियन एसोसिएशन' के एक वार्षिक कार्यक्रम में शामिल हुए जिसमे कर्जन वायली भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के बाद ढींगरा ने उन पर गोली चलाकर उनकी हत्या कर दी और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कर्जन वायली की हत्या के जुर्म में कोर्ट ने मदनलाल को फांसी की सजा सुनाई गई और 17 अगस्त 1909 को ब्रिटिश जेल में उन्हें फांसी दे दी गई।

भारतीय स्वतंत्रता के लिए मदनलाल की रची इस क्रांतिकारी घटना और कर्जन वायली की हत्या से मदनलाल के पिता अत्यंत क्रोधित हुए जिसके पश्चात पिता ने मदनलाल को परिवार व घर से भी बेदखल करने की घोषणा कर दी और यहाँ तक की लंदन से उनकी अस्थियां तक नहीं लाई जा सकीं। फिर कुछ समय बाद शहीद मदन लाल ढींगरा की अस्थियों को कई भारतीय देशभक्तों और केंद्र सरकार की मदद से 13 दिसंबर 1976 को लंदन से भारत लाया गया, जो 20 दिसंबर को अमृतसर पहुंची जहां तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने राजकीय सम्मान के साथ शहीद ढींगरा की अस्थियों का अंतिम संस्कार किया।

हमारा भारतवर्ष भारतीयों के प्रति ब्रिटिश राज्य की क्रू राजनीति से व्यथित मदनलाल ढींगरा जैसे कई महान क्रांतिकारियों की भूमि रहा है । देश के लिए प्राण की आहुति देने वाले मदनलाल ढींगरा ने फांसी लगते समय कहा था मुझे गर्व है कि अपनी मातृभूमि के लिए मैं अपना जीवन समर्पित कर रहा हूं, और इसकी रक्षा के लिए मैं कई बार एक राष्ट्रवादी भारतीय बनकर जन्म लेना चाहूंगा।

तुर्किये में भारत का ऑपरेशन दोस्त

ओमैर अनस

तुर्किये में जो छह फरवरी को भारी तबाही हुई है, उसकी वजह भूकंप का एक झटका नहीं है। उस दिन देश के दक्षिणी इलाके में दो भारी झटके लगे थे, जिनकी तीव्रता 7 17 और 7 16 रही थी। उसके बाद लगभग 800 आफ्टरशॉक लगते रहे। इससे यह हुआ कि इमारतें गिरती चली गयीं और जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। जो जानकारियां सामने आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि तुर्किये में 50 हजार से ज्यादा मकान टूटे हैं। सीरिया में भी सैकड़ों इमारतें ध्वस्त हुई हैं। सीरिया में जो भूकंप प्रभावित क्षेत्र हैं, उनमें से 40 फीसदी हिस्सा राष्ट्रपति बशर अल-असद के नियंत्रण में है तथा 60 प्रतिशत भाग पर विद्रोही समूहों का अधिकार है। इस कारण वहां से तबाही का पूरा आकलन हमें नहीं मिल पा रहा है। माना जा रहा है कि सीरिया में मरने वालों की संख्या लगभग छह हजार है। तुर्किये में मकान और अन्य इमारतें तो तबाह हुई ही हैं, साथ ही सड़कों और अस्पतालों को भी भारी नुकसान हुआ है। हताये हवाई अड्डा पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। उसे कामचलाऊ बना पाने में तीन दिन लग गये। ऐसे में राहत और बचाव में बड़ी मुश्किलें आ रही हैं। इस वजह से भी मृतकों की संख्या बहुत अधिक हो गयी है। आकलनों में बताया जा रहा है कि तुर्किये में 80 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है।

अब सवाल यह है कि क्या इस तबाही को रोका जा सकता है। हम भूकंप को तो नहीं रोक सकते हैं, लेकिन अगर ठीक से भूकंपरोधी इमारतों का निर्माण हुआ होता, तो नुकसान को बहुत कम किया जा सकता था। इस सबक को हम सभी को ध्यान रखना चाहिए। तुर्किये में आपदा से बचाव और राहत की जो एजेंसी बनायी गयी, वह एक अच्छी व्यवस्था है। किसी दौर में ऐसी एजेंसियों पर सेना का कब्जा रहता था और उससे जवाबदेही तलब कर पाना बेहद मुश्किल था। लेकिन राष्ट्रपति एर्दोआं के सत्ता में आने के बाद इस तरह के विभागों में विशेषज्ञ और प्रशिक्षित लोगों को रखा गया है। नागरिकों की भागीदारी से बनी राहत और बचाव एजेंसी के लिए यह भूकंप एक बड़ी परीक्षा के रूप में आया है। इतनी बड़ी आफत में उनकी भूमिका ठीक रही है, पर आपदा इतनी गंभीर थी कि इसे संभालना उनके बस की बात नहीं थी। तुर्किये सरकार ने भी बिना कोई देरी किये दुनिया के सामने मदद की अपील कर दी। वर्तमान में वहां 70 देशों के आठ हजार से अधिक लोग पीड़ितों की मदद करने, मलबा हटाने और लोगों को बचाने की कोशिश में लगे हुए हैं। इसमें भारत की उल्लेखनीय भूमिका रही है।

तुर्किये की मदद के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो तत्परता दिखाई है, वह बहुत सराहनीय है। जैसे ही भीषण भूकंप की सूचना मिली, तत्काल उन्होंने संबद्ध मंत्रालयों और विभागों को हरसंभव मदद भेजने का निर्देश दे दिया। मुझे यह जानकारी नहीं है कि इस संबंध में तुर्किये सरकार से सीधे कोई निवेदन आया था या नहीं, पर प्रधानमंत्री मोदी ने सहायता मुहैया कराने के मामले में कोई देरी नहीं की। भारतीय सहायता प्रयासों को 'ऑपरेशन दोस्त' का नाम दिया गया है।

भारत की तत्परता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि आपदा के पांच-छह घंटे के भीतर ही भारत से पहला जहाज तुर्कियें के लिए रवाना हो गया। 'ऑपरेशन दोस्त' के तहत सेना के जवान, डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, बचाव दल, डॉग स्कवायड, फील्ड अस्पताल के साजो-सामान, दवाइयां, उपकरण आदि भेजे गये हैं। अनेक जहाज तुर्किये जा चुके हैं तथा भारत सरकार ने तुर्किये को भरोसा दिलाया है कि यह मदद जारी रहेगी। सीरिया को भी भारत ने तीन जहाजों से मदद भेजी है। हालांकि भारत सरकार की ओर से कोई बयान नहीं आया है, लेकिन सीरिया में जो मदद संयुक्त राष्ट्र की ओर से भेजी जा रही है, उसमें भारत का भी अहम योगदान है। संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों में भारत ऐतिहासिक रूप से सहयोग करता रहा है। जहां सीधे मदद भेजी जा सकती है, जैसे- बशर अल-असद के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में, वहां भारत ने सीधे सहायता भी भेजी है।

उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आपदा और अन्य संकटों में मानवीय सहायता भेजता रहा है। लेकिन पहले तत्काल मदद नहीं भेजी जाती थी। उसमें देरी हुआ करती थी, लेकिन हाल के कुछ वर्षों में ऐसे प्रयासों में बहुत तत्परता देखी जा रही है। ऐसा हमने नेपाल और मालदीव में भी देखा, हाल में श्रीलंका में आर्थिक संकट के दौरान भी देखा। यहां यह बात भी हमें ध्यान में रखनी चाहिए कि भारत और तुर्किये के मौजूदा रिश्ते बहुत अच्छे नहीं हैं। अनेक मामलों में दोनों की राय अलग-अलग है। तुर्किये की पाकिस्तान से निकटता भी भारत के उसके संबंधों को प्रभावित करती है। चूंकि घरेलू राजनीति में भी ऐसे मामले संवेदनशील होते हैं, तो उन्हें बहुत जल्दी सुलझा पाना आसान नहीं होता, लेकिन जब ऐसा संकट आया, तो भारत ने अन्य आयामों को परे रखते हुए सहयोग का हाथ बढ़ा दिया। भारत ने जो मदद की है, वह कोई सांकेतिक सहयोग नहीं है। सात जहाज गये हैं, ढाई सौ लोगों का दल है, फील्ड अस्पताल है, डॉग स्कवायड है। और, आगे भी हर तरह की मदद का आश्वासन दिया गया है। हाल के समय में किसी दूसरे देश में यह भारत का ऐसा सबसे बड़ा ऑपरेशन है। जिस प्रकार वैश्विक मंच पर भारत का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, इस तरह की बड़ी पहल होनी भी चाहिए। इससे दुनिया में यह संकेत जायेगा कि भारत बड़ी जिम्मेदारियां लेने के लिए तैयार है। मोदी सरकार की इस पहल ने भारत के प्रभाव को पड़ोस या एशिया से आगे मध्य-पूर्व और यूरोप तक पहुंचा दिया है। यह भूकंप ऐसे समय में आया है, जब मई में वहां चुनाव होने वाले हैं। अब यह चुनाव एक महीने या कुछ और समय के लिए टालना पड़ सकता है। नतीजा जो भी हो, भारत के आगे बढ़कर मदद करने से वहां के लोगों और नेताओं में भारत के प्रति नजरिया बदलेगा। यह होने भी लगा है। तुर्किये के मंत्रियों, राजनयिकों और सामाजिक संगठनों ने भारत के प्रति आभार जताया है। मीडिया में हम देख रहे हैं कि वहां लोग भारतीय बचाव दल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं।

गांधी आज

व्यवस्था सुधार और विधान सुधार

व्यवस्था के सुधार और विधान के सुधार का सवाल एक ही नहीं है। व्यवस्था के सुधार का अर्थ है, सत्ता का उपयोग करने वाले अधिकारियों की प्रजा के प्रति व्यवहार करने की सारी मनोवृत्ति में सुधार होना। विधान के सुधार में कानून बनाने के लिए और राज्य के भिन्न-भिन्न विभागों पर निगरानी रखने तथा उसकी नीति निश्चित करने के लिए कितने लोगों के इकट्ठा होने की ज़रूरत है, उसकी नियुक्ति किस तरह होनी चाहिए, कहाँ बैठकर किस तरह उन्हें बहस विचार करना चाहिए, आदि बातों का विचार किया जाता है। कुछ दिनों से शासन-विधान के प्रश्न को आवश्यकता से अधिक महत्त्व दिया जा रहा है। इससे असली विषय को भूलकर हम राज्य के बाहरी रूप-रंग के विचार में उलझ जाते हैं। शासन-विधान की बारीकियों तथा उसकी भिन्न-भिन्न योजनाओं के भेदों और उनका महत्त्व समझने की आशा देश के करोड़ों लोगों से नहीं सूक्ष्म रखी जा सकती। इसलिए वे इन विषयों में इतनी दिलचस्पी नहीं ले सकते कि उनपर स्वयं विचार करें। देश का शासन-विधान राजसत्तात्मक कहलाता है या प्रजासत्तात्मक, साम्राज्य का अंग कहलाता है या स्वतंत्र, छः हजार प्रतिनिधियों द्वारा चलाया जाता है या छः सौ प्रतिनिधियों द्वारा, उसमें हिन्दू अधिक हैं या मुसलमान, देश के करोड़ों अपढ़ ग्रामवासियों को इन विषयों का महत्त्व समझाना कठिन है और इन बातों की बहस में उन्हें घसीटने में बहुत लाभ भी।

संक्षिप्त समाचार

कथावाचक अंधविश्वास न फैलाएं: डा. मिश्र

रायपुर। मध्यप्रदेश के सीहोर में कथावाचक प्रदीप मिश्रा के रुद्राक्ष महोत्सव में लाखों की भीड़ जमा होने, बेरिकेड्स टूटने, भगदड़ होने, हजारों लोगों के परेशान होने की खबर आ रही है,जो कि चिंतनीय है। आजकल यह क्या चल रहा है, जो कथावाचक हैं वे कथा सुनाये, लोगों को कर्म करने की शिक्षा दें, मेहनत कर सफलता पाने की सीख दें तो ठीक है। पर सिर्फ रुद्राक्ष का पानी पीने से कैसे सभी व्यक्तियों की आर्थिक, स्वास्थ्य, मानसिक समस्याओं का समाधान हो सकता है। इस प्रकार मजमा जमाकर हजारों लोगों को परेशानी में डालने का क्या मतलब। आस्था के नाम पर यह कैसा खेल चल रहा है, कथावाचन तो चलो ठीक है पर लोगों की समस्याओं को दूर करने के चमत्कारिक टोटके बताना, सोशल मीडिया और चैनलों में प्रचार के माध्यम से सब्जबाग दिखाकर भीड़ इकठ्ठा करना कैसे सही हो सकता है। क्या टोटको से ही या रुद्राक्ष पा लेने से ही इंसान की सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। मध्यप्रदेश के सीहोर में ही लाखों आस्थावान एकत्र हो गए हैं और हो रहे हैं। यातायात जाम हो रहा, लोग बीमार हो रहे, भगदड़ मच रही है, पीने के पानी तक की समस्या हो रही है, क्या इन सभी का हल भी किसी टोटके या रुद्राक्ष का जल पीने से निकलेगा। शासन प्रशासन पर बड़ी जिम्मेदारी है तुरंत संज्ञान ले और लोगों की सुरक्षा, स्वास्थ्य के मद्देनजर आवश्यक कदम उठाए।

न्यायाधीश पदों पर पदोन्नति हेतु सूची जारी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा छत्तीसगढ़ निम्नतर न्यायिक सेवा नियम 2006 के तहत वरिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश के पदों पर पदोन्नति हेतु वर्ष 2021 के चयनित उम्मीद्वारों की सूची जारी की गई है। चयनित उम्मीद्वारों में श्री गिरीश पाल सिंह, श्रीमती मंजू लता सिन्हा, श्रीमती बरखा रानी वर्मा, श्री गुलपन राम यादव, कु. अमिता जायसवाल, श्री सत्यानंद प्रसाद, श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा, सुश्री खिलेश्वरी सिन्हा, श्री भगवान दास पनिका एवं कु. नेहा उसेंडी शामिल हैं। उक्त सूची का अवलोकन छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की वेबसाईट पर भी किया जा सकता है।

एक दिवसीय विपश्यना शिविर 19 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ विपश्यना ट्रस्ट द्वारा एक दिवसीय विपश्यना ध्यान शिविर का आयोजन रविवार 19 फरवरी को किया जा रहा है। रायपुर के सिंगारभाठा विपश्यना केन्द्र (अभनपुर रोड केन्द्री के पास) में पुराने साधकों के लिए दोपहर एक बजे से शाम पाँच बजे तक शिविर आयोजित है। शिविर संचालक आचार्य सीताराम साहू ने बताया कि साधकों द्वारा निर्माणाधीन केन्द्र में ध्यान करने से तपोदान होता है और इससे धर्म के इस कार्य को निर्बाध पूरा करने में सफलता मिलती है। उन्होंने बताया कि रायपुर में प्रति रविवार साप्ताहिक समूह साधना योग टॉवर (अनुपम गार्डन के सामने) में आयोजित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए 93291-01151 पर संपर्क किया जा सकता है।

विस् अध्यक्ष ने महाशिवरात्रि पर्व की प्रदेशवासियों को दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने महाशिवरात्रि पर्व की प्रदेशवासियों को दी बधाई शुभकामनाएं। विस् अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, देवों के देव महादेव की शिवरात्रि हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है, इसे शिव चौदस या शिव चतुर्दशी भी कहा जाता है। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। डॉ महंत ने कहा कि, महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक का बहुत महत्व होता है और इस पर्व पर रुद्राभिषेक करने से सभी रोग और दोष समाप्त हो जाते हैं। शिवरात्रि हर महीने में आती है परंतु फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को ही महाशिवरात्रि कहा गया है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्य देव भी इस समय तक उत्तरायण में आ चुके होते हैं तथा ऋतु परिवर्तन का यह समय अत्यन्त शुभ कहा गया है। डॉ महंत ने कहा कि, महाशिवरात्रि का पर्व परमात्मा शिव के दिव्य अवतरण का मंगल सूचक पर्व है। उनके निराकार से साकार रूप में अवतरण की रात्रि ही महाशिवरात्रि कहलाती है। हमें काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकारों से मुक्त करके परमसुख, शान्ति एवं ऐश्वर्य प्रदान करते हैं।

प्रभारी मंत्री की अनुशंसा पर 24 लाख स्वीकृत

बेमेतरा। प्रभारी मंत्री टीएस सिंहदेव के अनुमोदन पर कलेक्टर श्री पदुम सिंह एल्मा द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत विधानसभा क्षेत्र बेमेतरा में विभिन्न विकास कार्यो के लिए 24 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा क्षेत्र बेमेतरा के ग्राम बसनी के कबीर पारा में सामुदायिक भवन में आहता निर्माण हेतु 2 लाख 50 हजार रुपये, ग्राम पंचायत बहेरा (क) में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 5 लाख रुपये, ग्राम पंचायत बैजलपुर में शिव मंदिर के समीप सीमेंटीकरण कार्य हेतु 3 लाख रुपये, ग्राम पंचायत ताला के गौठान में चबुतरा निर्माण हेतु 50 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके लिए क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेमेतरा को बनाया गया है।

मिलेट्स उत्पादन से लोगों को रोजगार मिला - भूपेश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ मिलेट कार्निवल का किया शुभारंभ

रायपुर। राजधानी रायपुर के नेताजी सुभाष स्टेडियम में 17 से 19 फरवरी तक आयोजित मिलेट्स कार्निवल का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मिलेट्स को पहले मेहनतकशों का भोजन समझा जाता था,आज मिलेट्स अमीरों के भोजन बन गया है। क्योंकि सर्वाधिक शुगर के मरीज इसी वर्ग में हैं। मिलेट्स के बीज 12 वर्षों तक सुरक्षित रहता है। इसमें कीट नहीं लगते। मिलेट्स उत्पादन, संग्रहण, प्रसंस्करण से लोगों को रोजगार मिला। मिलेट्स हब के रूप में आज छत्तीसगढ देश में नबंर वन है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिलेट्स को मध्यान्ह भोजन में शामिल किया जाएगा। देश में पहली बार छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी और रागी का समर्थन मूल्य घोषित किया गया। इससे हमारे किसानों का उत्साह बढ़ा पहले ही साल में 55 हजार क्विंटल

मिलेट्स की खरीदी की गई।कोदो, कुटकी एवं रागी का बाजार मूल्य जहां पहले 12 से 15 रुपए हुआ करता था वह आज बढ़कर 25 से 28 रुपए तक पहुच चुका है।मिलेट्स की खेती करने वाले किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत इनपुट सब्सिडी का लाभ मिल रहा है। राज्य शासन की आर्थिक मदद से कांकेर जिले के नथिया नवागांव में देश के सबसे बड़े मिलेट प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना निजी क्षेत्र में की गयी है।

आज 1 लाख 65 हजार हेक्टेयर में मिलेट्स की खेती हो रही है।पहले 70 हजार हेक्टेयर में खेती होती थी। राज्य सरकार के प्रोत्साहन से उत्पादन रकबे में दो से ढाई गुना वृद्धि हुई।

राजधानी की छात्राएं कर रहीं हैं सुपरफूड पर शोध

राजधानी में होम साइंस पढ़ने वाली छात्राएं मिलेट यानी सुपरफूड पर शोध कर रहीं हैं। इन छात्राओं ने स्थानीय सुभाष स्टेडियम में चल रहे मिलेट कार्निवाल में फूड स्टॉल भी लगाया है। मिलेट पर शोध कर रहीं शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला महाविद्यालय रायपुर की छात्राओं ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मिलेट को दिए जा रहे प्रोत्साहन और इसके लिए शुरू किए गए मिलेट मिशन के कार्यों से प्रभावित होकर मिलेट पर शोध कर रही हैं। उनके द्वारा लगाए गए फूड स्टॉल में कोदो, कुटकी से बनाए पास्ता, नूडल्स, केक, रोटी और खुरमी जैसे व्यंजन रखे गए हैं। इनकी बिक्री भी खूब हो रही है। यहां रखे गए मिलेट के बालूशाही, कोदो के अप्पे, कोदो-कुटकी से बने चिवड़ा और भेल मुख्य आकर्षण है। मिलेट कार्निवाल सुपरफूड के नाम से मशहूर मिलेट में अन्य खाद्यानों के मुकाबले ज्यादा पोषक तत्व होने के कारण यह दिनों-दिन लोकप्रिय हो रहा है। फूड स्टॉल में आगंतुक उत्साह और जिज्ञासा से इन व्यंजनों के बारे में जानकारी भी ले रहे हैं। शोधार्थी छात्राओं ने बताया कि आजकल फास्ट फूड्स का चलन है, चाउमीन, पास्ता और मंचूरियन जैसी आसानी से और जल्दी बनने वाली चीज़ें लोगों को पसंद आती हैं, लेकिन इसका हमारे स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है, इसलिए हमने कोदो-कुटकी से पास्ता, नूडल्स, रोटी, केक, खुरमी जैसे व्यंजन भी बनाएं हैं ताकि नई पीढ़ी भी मिलेट्स के सेवन के फायदे समझ सके। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मिलेट की खेती को बढ़ावा देने के लिए इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च हैदराबाद के साथ छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के बीच एमओयू किया गया है।

मैनपाट महोत्सव से सरगुजा अंचल को मिल रही नयी पहचान: भगत

तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव संपन्न

रायपुर। संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत ने कहा है कि मैनपाट महोत्सव की भव्यता लगातार बढ़ते जा रही है। छत्तीसगढ़ी की संस्कृति को सहेजने और सवारने में यह महोत्सव काफी सफल हुआ है। इस महोत्सव में सरगुजा अंचल को नयी पहचान दी है। महोत्सव से लोक कलाकारों और रंगकर्मियों को बेहतर मंच मिला है। संस्कृति मंत्री श्री भगत ने आज सरगुजा जिला के मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव महोत्सव के समापन समारोह संबोधित कर रहे थे।संस्कृति मंत्री श्री भगत ने कहा कि मैनपाट में पर्यटन सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। यहां हवाई पट्टी बनने से सुविधाएं और बढ़ेंगी। साथ ही सैलानी भी बड़ी संख्या में आएंगे। इस मौके पर खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री गुरप्रीत सिंह बाबरा, पुलिस महानिरीक्षक श्री रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता और जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप उपस्थित थे। समापन अवसर पर बॉलीवुड सिंगर एवं पंजाबी रॉक स्टार दलेर मेहंदी ने अनेक लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी। पंजाबी रॉक स्टार की देश भक्ति गीत की रंग दे बसंती चोला प्रस्तुति पर लोगों ने तिरंगा झंडा लहरा कर खुशी जाहिर की। समारोह में छत्तीसगढ़ी गायिका अलका परघनिया, जसगीत गायक दिलीप षडंगी, रंग-झरोखा के दुष्यंत हरमुख एवं सौरव वैभव ने भी शानदार प्रस्तुति दी।

अजय जमवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं से किया सीधा संवाद

दुर्ग। गुरुवार को जिला भाजपा कार्यालय दुर्ग में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय, प्रदेश उपाध्यक्ष और संभाग प्रभारी भूपेंद्र सवत्री, राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य डॉ. सुश्री सरोज पाण्डेय, लोकसभा सांसद विजय बघेल, दुर्ग जिला प्रभारी राजीव अग्रवाल एवं भिलाई जिला सहप्रभारी चेमन देशमुख, दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा एवं भिलाई जिला भाजपा अध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया की उपस्थिति में दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण एवं अहिवारा विधानसभा की बैठक हुई। तीनों विधानसभाओं की अलग-अलग बैठक में क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जम्वाल ने शक्ति केंद्र के प्रभारियों, संयोजक एवं सहसंयोजक संगठन के कार्यों को लेकर सुझाव आमंत्रित किए, जिस पर कार्यकर्ताओं ने अपने अपने क्षेत्र अनुसार आवश्यक सुझाव दिए। अजय जम्वाल ने कहा कि आज से पहले 69 विधानसभाओं का प्रवास कर चुके हैं और आज दुर्ग-भिलाई जिले की तीन

विधानसभा के कार्यकर्ताओं से संवाद हो रहा है उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जन्म-मृत्यु, लाभ-हानि, यश-अपयश सब विधि का विधान है हम सब धर्म परायण होने के नाते इस शाश्वत सत्य को जानते तो हैं लेकिन स्वयं पर मान्य नहीं करते इसीलिए राजनीति में स्वयं की और दूसरे नेता की स्थिति को लेकर तनाव में रहते हैं। शाश्वत सत्य को यदि मान लेंगे तो किसी को कोई मानसिक वेदना नहीं होगी। पार्टी में अच्छा काम करने वाले के लिए विधि का विधान सुनिश्चित है।

श्री जमवाल ने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को भी सबसे बड़ी पार्टी होने का गौरव नहीं है। भाजपा 18 करोड़ सदस्यों वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। आज देश में सबसे ज्यादा 16 राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री हैं, देश मे सबसे ज्यादा सांसद, सबसे ज्यादा विधायक, सबसे ज्यादा महापौर और सबसे ज्यादा जिला पंचायत अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के हैं। वर्तमान समय में भाजपा के लिए सबसे ज्यादा अनुकूलता का वातावरण है लेकिन इसके बावजूद पार्टी में काम और कार्यक्रमों की निरंतरता और प्रवाह सतत जारी रहना चाहिए क्योंकि जिस प्रकार प्रवाह रुकने से जल की शुद्धता नहीं रहती उसी प्रकार संगठन की भी स्थिति हो जाती है।

अजय जमवाल ने 24 बिंदुओं के आधार पर कार्य करने का सूत्र कार्यकर्ताओं को दिया और यह आव्हान किया कि बूथ स्तर पर केंद्र सरकार के लाभार्थियों से संपर्क कर उन्हें मोदी सरकार की योजनाओं के लाभार्थी होने का एहसास करायें। प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने सशक्त मंडल, सक्रिय बूथ समिति, रचनात्मक और आंदोलनात्मक कार्यों की श्रृंखला तथा पार्टी के वार्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष और संभाग प्रभारी भूपेंद्र सवत्री ने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श किया और आगामी कार्यक्रमों की सफलता के लिए आवश्यक टिप्स दिए। विधानसभाओं की बैठकों में स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में विगत 9 महीने से दुर्ग जिले के सभी मंडलों में भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम पूरी सक्रियता के साथ प्रदेश पार्टी संगठन द्वारा दिए गए समस्त कार्यक्रम और कार्यों को संपन्न तत्परता के साथ सक्रिय है। विधानसभा स्तरीय बैठकों का संचालन जिला महामंत्री ललित चंद्राकर एवं सुरेंद्र कौशिक ने किया।

अवैध प्लाटिंग के खिलाफ तेज होगी कार्रवाई

बिलासपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार की अध्यक्षता में आज यहां मंथन सभाकक्ष में क्रेडाई के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों की संयुक्त बैठक सह कार्यशाला आयोजित की गई। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि लोगों को किए गए वायदें के अनुरूप समय-सीमा में मकान उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी बिल्डर्स की है। यदि उपभोक्ताओं के साथ किसी तरह की धोखाधड़ी की शिकायत आएगी तो रेरा एवं जिला प्रशासन द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बिल्डर्स और डेवलपर्स की समस्याएं भी सुनी और नियमानुसार जल्द निराकरण का भरोसा दिया। कलेक्टर ने कहा कि अवैध प्लाटिंग के खिलाफ तेजी से कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की गई है। ऐसे तत्वों पर प्रशासन की कड़ी नजर है। उन्होंने कहा कि रियल इस्टेट सेक्टर का देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। प्रमोटर्स-बिल्डर्स को अपनी घोषणा के अनुरूप सुविधा उपभोक्ता को देनी होगी। प्रमोटर्स-बिल्डर्स ने अपने अनुभव के आधार पर कई दिक्कते गिनाई, जिनका अधिकारियों ने समाधान किया। बिल्डर्स ने कालोनाइजर रजिस्ट्रेशन, प्रॉपर्टी टेक्स, अवैध प्लॉटिंग जैसे मसलों से जुड़ी समस्याएं बताई। निगम कमिश्नर ने बताया कि निगम द्वारा अवैध प्लॉटिंग पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार आगामी समय में निगम एवं राजस्व के संयुक्त अमले द्वारा और तेजी से कार्रवाई की जाएगी। बिल्डर्स ने कार्यशाला में बताया कि अभी केवल आवासीय कॉलोनी का सोसायटी पंजीयन हो रहा है। व्यावसायिक काम्प्लेक्स का पंजीयन नहीं हो रहा है। कलेक्टर ने जल्द ही निर्धारित गाईडलाईन के अनुसार इस समस्या का निराकरण करने का आश्वासन दिया।

विप्र कॉलेज एवं कलिंगा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वाधान में नेशनल कांफ्रेंस का हुआ समापन

रायपुर। विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय के शिक्षा विभाग एवं कलिंगा यूनिवर्सिटी के शिक्षा संकाय के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक सम्पदा अधिकार- शैक्षणिक विश्व में एक अवलोकन एवं निहितार्थ विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन का समापन समारोह मुख्य अतिथि ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़ शासन), कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अमिताभ बैनर्जी (प्राचार्य शासकीय छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर) एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. स्वर्णलता सराफ (प्रोफेसर फार्मेसी अध्ययन शाला पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर) की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि बौद्धिक संपदा पर आधारित अर्थव्यवस्था आज के युग में महत्वपूर्ण हो गया है ।बौद्धिक संपदा आज समृद्धि की पहली आवश्यकता है। पुराने समय में सरस्वती और लक्ष्मी का कहीं मेल नहीं था। परंतु आज युग में जिसके पास सरस्वती है उसी के पास लक्ष्मी होगा। भारत ज्ञान

और विज्ञान में अग्रणी था, आवश्यकता उस ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग की है। डॉ .अमिताभ बनर्जी ने अपने उदबोधन में कहा कि आज शैक्षणिक संस्थाओं में शोध का स्तर बढ़ाने की आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शोध का लक्ष्य समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान होना चाहिए। शोध का उद्देश्य सामाजिक आर्थिक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करते हुए जीवन यापन या रोजगार बढ़ाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए।

डॉ. स्वर्णलता सराफ ने कहा छत्तीसगढ़ में नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए यह एक बहुत अच्छा विषय है। भारत के डीएनए में बहुत नॉलेज है। सांस्कृतिक ,साहित्यिक और अन्य रचनात्मक बौद्धिक संपदा की कोई कमी नहीं है। आयुर्वेदिक का ज्ञान हमारा बहुत बड़ा भंडार है। आवश्यकता है कि ज्ञान को अपने अधिकार में कैसे लाएं और कैसे अपने राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान दे। यह सीखने व जानने की आवश्यकता है, इस प्रकार की जागरूकता के लिए इस प्रकार के कॉन्फ्रेंस की आवश्यकता है। पेटेंट, ट्रेडमार्क ,कॉपीराइट अधिक उपायों से बौद्धिक संपदा का व्यवसायिक रूपांतरण से आर्थिक ऊन्नति आज की आवश्यक है।

इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने बताया कि विप्र कॉलेज एवं कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा हाई ब्रीड मोड में आयोजित संयुक्त नेशनल कॉन्फ्रेंस में 350 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

संजय अलंग को सूत्र सम्मान

बिलासपुर। संजय अलंग को वर्ष 2022 के सूत्र सम्मान की घोषणा की गई थी। यह सम्मान उनके तीसरे कविता संग्रह ''नदी उसी तरह सुंदर थी जैसे कोई बाघ'' के लिए घोषित किया गया था। यह सम्मान उन्हें संस्कृति विभाग के ऑडिटोरियम में महाशिवरात्रि के दिन आयोजित साहित्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह छब्बीसवाँ सूत्र सम्मान होगा। इनके पूर्व यह सम्मान एकांत श्रीवास्तव, अग्निशेखर, रेखा चमोली आदि लोगों को दिया जा चुका है।

इस साहित्य समारोह में सम्मान कार्यक्रम में अलंकरण के अतिरिक्त संजय अलंग की कविताओं पर विद्वानों के वक्तव्य, उनकी कविताओं पर चित्र प्रदर्शनी, संजय अलंग की कविताओं पर नाट्य मंचन, कविता पाठ आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सूत्र सम्मान साहित्यकार ठा. पूरन सिंह की स्मृति में प्रतिवर्ष दिया जाता है। इस समिति के संयोजक और अध्यक्ष विजय सिंह ने बताया कि इस वर्ष सूत्र सम्मान अलंकरण के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार लीलाधर मण्डलोई दिल्ली होंगे और अध्यक्षता प्रख्यात आलोचक और संस्कृति कर्मी राजाराम भादू राजस्थान करेंगे। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रताप राव कदम खण्डवा, जय प्रकाश राजनांदगाँव, त्रिलोक माहावर बस्तर, सुभाष मिश्र रायपुर और राम कुमार तिवारी बिलासपुर रहेंगें। संजय अलंग की कविताओं पर शरद कोकास दुर्ग, रजत कृष्ण बागबाहरा और अजय चंद्रवंशी कवर्धा वक्तव्य देंगे। संजय अलंग की कविताओं पर एकाग्र काव्य नाट्य मंच होगा। इसका निर्देशन प्रसिद्ध लोक नाटककार हबीब तनवीर के शिष्य शैलेंद्र मणि कुशवाह रीवा करेंगे। इस मंचन में प्रख्यात रंग कर्मी नगीन तनवीर भी हिस्सा होंगी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतीश जायसवाल बिलासपुर, अध्यक्ष ईश्वर सिंह दोस्त रायपुर और विशिष्ट अतिथि नासिर अहमद सिकंदर भिलाई होंगे। इस अवसर पर उपस्थित कवियों का कविता पाठ होगा। इसमें सरगुजा अंचल के कोरिया क्षेत्र के बैकुण्ठपुर और मनेंद्रगढ़ को विशेष प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित किया गया है।

हम अडानी के हैं कौन, कांग्रेस नेताओं ने सरकारी खजाने की खुली लूट पर जताई चिंता

इस घपलेबाजी की ईडी और सेबी से जांच कराये मोदी, भक्त चरणदास व मोहन मरकाम की पत्रकार वार्ता

रायपुर। देश में बढ़ती महंगाई, उच्चतम बेरोजगारी और कुशासन की विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने के लिए सरकार द्वारा प्रायोजित विभाजनकारी एजेंडे का दंश झेल रहे देशवासियों के साथ कांग्रेस पार्टी कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। लेकिन एक ज़िम्मेदार विपक्षी दल होने के नाते हम भाजपाई सत्ता के मित्र पूंजीपतियों को सरकारी खजाने के लूट की खुली छूट और प्रधानमंत्री से संबंधित इस पूरे अडानी महाघोटाले में हो रहे घोटालों से भी चिंतित हैं। इसलिए हम सरकार को उसकी जिम्मेदारी से भागने की इजाज़त नहीं दे सकते और आज हम अडानी के हैं कौन श्रृंखला में

देश के 23 प्रमुख शहरों में पत्रकार वार्ताएं ली जा रही हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव भक्त चरणदास व पीसीसी के अध्यक्ष मोहन मरकाम ने संयुक्त पीसी में कहा कि सरकार ने राहुल गांधी के सवालों और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण के अंशों को बेशक संसदीय कार्यवाही से हटा दिया हो लेकिन भारत के लोग सब देख रहे हैं कि संसद में क्या हो रहा है। लोग जानना चाहते हैं कि सरकार संसदीय भाषणों का स्तर गिराने की कोशिश क्यों कर रही है और प्रधानमंत्री संसद में प्रासंगिक सवालों के जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं। देशवासी जानना चाहते हैं कि कैसे एक संदिग्ध साख वाला समूह, जिस पर टैक्स हेवन देशों से संचालित विदेशी शेल कंपनियों से संबंधों का आरोप है, भारत की संपत्तियों पर एकाधिपत्य स्थापित कर रहा है और इस सब पर सरकारी एजेंसियां या तो कोई कार्यवाही नहीं कर रही हैं या इन सब संदिग्ध गतिविधियों को ही सुगम बनाने में जुटी हैं। भारत के लोग बहुत बुद्धिमान हैं और वे मोदी और उनके मित्र पूंजीपतियों के बीच संपूर्ण पारस्परिक तालमेल को समझ सकते हैं। वे जानना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री ने एक मित्र पूंजीपति को विश्व के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बनाने में मदद क्यों की और वे इस गंभीर अंतर्राष्ट्रीय खुलासे पर चुप क्यों हैं?

हम किसी व्यक्ति के दुनिया के अमीरों की सूची में 609 वें से दूसरे स्थान पर पहुँचने के खिलाफ नहीं है। लेकिन हम निसंदेह सरकार द्वारा प्रायोजित निजी एकाधिकारों के खिलाफ हैं क्योंकि वे जनता के हितों के विरुद्ध होते हैं। विशेष तौर पर हम टैक्स हेवन देशों से आपत्तिजनक संबंधों, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे एक खास व्यक्ति द्वारा हमारी अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना और राष्ट्रीय संसाधनों का लाभ उठाते हुए एकाधिपत्य स्थापित करने के खिलाफ हैं। हम जानना चाहते हैं कि मोदी सरकार इस मुद्दे पर जाँच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति बनाने से क्यों डर रही है जबकि संसद के दोनों सदनों में उसका अच्छा बहुमत है।

परखना हो मुझे तो मेरे पास चले आना.....

यदि नेहरू का नाम लेना शर्मिंदगी और अपराध है तो इसके लिये आज की परिभाषा में कई लोगों को अपराधी ठहराया जा सकता है..? नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने एक बार कहा था कि। भारत में महात्मा गाँधी के बाद दूसरा सबसे लोकप्रिय कोई है तो वह जवाहर लाल नेहरू। और युवाओं में तो गांधी से

अधिक लोकप्रिय हैं। शहीद भगतसिंह ने कहा था कि इस समय हिंदुस्तान में जो नेता उभरकर सामने आए हैं वे सुभाष चंद्र बोस और पंडित जवाहर लाल नेहरू..दोनों आजादी के कट्टर समर्थक हैं।।भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन ने कहा था कि नेहरू,दुनिया के महान पुरुषों में एक हैं। सरदार पटेल ने कहा था कि राष्ट्र के आदर्श, जनता के नेता, देश के प्रधानमंत्रीऔरआमजनों के नायक के रूप में उनकी महान उपलब्धि एक खुली किताब जैसी है।मौलाना अबुल कलाम आजाद ने कहा था कि जवाहर लाल बड़े स्नेहशील और उदार ह्रदय के व्यक्ति हैं तथा व्यक्तिगत ईर्ष्या-द्वेष के लिये उनके मन में कोई जगह नहीं है..। महान आइंस्टीन भी नेहरू की लेखकीय कौशल के मुरीद थे। शायर फिराक गोरखपुरी ने एक बार कहा था कि।..

तुम मुख़ातिब हो,करीब भी तुमको देखें कि तुमसे बातें करें

साहित्यकार रामधारी सिँह दिनकर ने तो लोकदेव नेहरू के नाम से पूरी किताब ही लिख दी। क्या सभी ने अपराध किया था।.? दरअसल एक बार पीएम मोदी का परिचय ही अमेरिकी सीनेट के.स्टेनहोयर ने यह कहकर कराया था कि आप गाँधी-नेहरू के देश से आए हैं?अब रही बात नेहरू के सरनेम की तो नेहरू की एक ही बेटी थी इंदिरा गाँधी। उनके बेटे राजीव गाँधी के बेटे राहुल गाँधी और प्रियंका। राहुल ने विवाह नहीं किया है, प्रियंका के बच्चे मिराया और राहान बढ़रा सरनेम लिखते हैं.. आखिर नाना या परनाना का सरनेम कोई कैसे ले सकता है। यह सवाल और शर्मिंदगी की बात भारत की उच्च सदन में उठाना ही बेतुका है।

ब्राह्मण कहां जिम्मेदार हैं भागवत साहब

संघ के सर्वेसर्वा मोहन भागवत ने हाल ही में कहा है कि जाति भगवान ने नहीं बल्कि पंडितों ने बनाया है।? वे शायद भूल गये कि भगवान श्रीकृष्ण ने खुद भागवत गीता में कहा है।

चातुवर्णय मया सृष्टँ गुणकर्मविभागश
तस्य कर्तारमपि मां विद्वय कर्तारमव्ययम।।(4/13)

अर्थात। हे अर्जुन ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। इन चार वर्णों का समूह, गुण और कर्मों के विभागपूर्वक मेरे द्वारा ही रचे गये हैं। इस प्रकार सृष्टि -रचानदि कर्म का कर्ता होने पर भी मुझे अविनाशी परमेश्वर को तु वास्तव में अकर्ता ही जान। गीता के रचयिता वेदव्यास खुद गैरब्राम्हण हैं। इसलिए पंडितों को दोष देना उचित नहीं है।

जस्टिस नजीर की ताज़पोशी

आंध्र प्रदेश के नवनियुक्त राज्यपाल,जस्टिस अब्दुल नजीर अयोध्या समेत कई अहम फैसलों का हिस्सा रहे हैं। उनके खाते में ट्रिपल तलाक मामला , अयोध्या-बाबरी मस्जिद विवाद मामला , नोटबंदी और निजता का अधिकार एक मौलिक अधिकार आदि मामले शामिल हैं।सेवानिवृत होने के कुछ दिनों बाद ही उनकी राज्यपाल के रूप में ताजपोशी पर अब सवाल उठने लगे हैं?

भारत का मीडिया और सरकारी छापा

न्यूज़ क्लिक पर 114 घंटे तक ईडी का छापा, फिर आयकर का छापा,भारत समाचार पर आयकर छापा,दैनिक भास्कर पर आयकर का छापा,एनडीटीवी पर आयकर का छापा,द क्विंट पर आयकर का छापा,द वायर पर मुकदमा,एचडब्ल्यूएल न्यूज पर आयकर का छापा,बीबीसी पर आयकर का छापा , स्वर्गीय विनोद दुआ पर देशद्रोह का मामला,अभिसार शर्मा पर 14 करोड़ के चोरी का मुकदमा,अभिसार शर्मा, पुण्य प्रसून बाजपेई, मिलिंद खांडेकर, रवीश कुमार,अजित अंजुम की नौकरी छीन लेना। यह सभी मीडिया संस्थान और पत्रकार हैं जो सरकार से सवाल पूछने पर प्रताड़ित और परेशान किये गये है।?

रमेश बैस का बना है नया रिकार्ड

रमेश बैस ने नगर निगम रायपुर के ब्राम्हण पारा वार्ड मेंबर चुनाव से अपनी राजनीतिक पारी शुरू की, फिर मंदिर हसोद के विधायक बने,उसके बाद रायपुर लोकसभा से 7 बार सांसद बनते रहे, अटल बिहारी मंत्रिमण्डल के हिस्सा बने, बाद में त्रिपुरा,झारखण्ड के बाद अब महाराष्ट्र के राज्यपाल बने हैं.. उनके राजनीतिक सफ़र का मै बतौर पत्रकार भी साक्षी रहा हूँ उनके राज्यपाल बनने के बाद जरुर मुलाक़ातें कम हुईं पर ज़ब भी उनसे मुलाक़ात हुई तो मुझे ऐसा नहीं लगा कि किसी लाट साहब (राज्यपाल)से मिल रहा हूँ वहीं रमेश भाई लगे जो पहले लगते थे..दिग्गज कांग्रेसी पूर्व मुख्य मंत्री श्यामाचरण शुक्ला,पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला, वर्तमान सीएम छ्ग भूपेश बघेल, सत्यनारायण शर्मा, धनेन्द्र साहू आदि को लोकसभा में पराजित करने वाले रमेश बैस, 3 राज्यों के राज्यपाल बनने का रिकार्ड अपने नाम कर चुके हैं।वैसे इनके पहले छ्ग के मोतीलाल वोरा ही राज्यपाल रह चुके हैं।

छ्ग के नये राज्यपाल बी बी हरिचंदन

आंध्रप्रदेश के 4 साल से राज्यपाल रह चुके बिस्वा भूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का नया राज्यपाल बनाया गया है। वे अनसुईया उइके की जगह अगले सप्ताह लेंगे। बिस्वा भूषण ओड़िशा के रहने वाले हैं। ओड़िशा छत्तीसगढ़ का पड़ोसी राज्य है। दोनों राज्यों के सांस्कृतिक समानता है. इस लिहाज से ओड़िशा के बिस्वा भूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल बनाया जाना कई मायनों में खास है। बिस्वा भूषण हरिचंदन का जन्म एक साहित्यकार नाटककार स्वतंत्रता सेनानी के घर में 3 अगस्त 1934 में हुआ है. पिता परशुराम हरिचंदन ओड़िशा के साहित्यकार थे।बिस्वा भूषण का जन्म ओड़िशा के खोरधा जिले में हुआ है। बिस्वा ने जगन्नाथ पुरी से अर्थशास्त्र में ओनर्स, कटक से एलएलबी की डिग्री ली है। इसके बाद बिस्वा ने 1962 में उच्च न्यायालय में वकालत भी की और 1971 में भारतीय जनसंघ में शामिल हुए। बिस्वा भूषण हरिचंदन ऐतिहासिक जेपी आंदोलन में शामिल हुए थे इसके लिए उन्हें एमरजेंसी के दौरान कई महीनों तक जेल में रहना पड़ा था। उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन एक्शन कमेटी के अध्यक्ष के रूप में 1974 में सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के अधिक्रमण के खिलाफ ओडिशा में वकीलों के आंदोलन का उन्होंने नेतृत्व किया। इसके बाद बिस्वा भूषण राजनीति से जुड़ गए। अब तक बिस्वा ओड़िशा में 5 बार विधानसभा के चुने जा चुके हैं. 1977, 1990, 1996, 2000 और 2004 में उन्होंने विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की है।ओड़िशा में भाजपा के संस्थापक रहे हैं।इसके अलावा हरिचंदन ने अपने काबिलियत के दाम पर ओड़िशा सरकार में 4 बार मंत्री पद पर बने रहे। हरिचंदन ने राजस्व, कानून, ग्रामीण विकास , उद्योग, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, श्रम और रोजगार, आवास, सांस्कृतिक, मत्स्य पालन और पशु विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभागों में जिम्मेदारी संभाली है।बिस्वा भूषण हरिचंदन 1980 में ओड़िशा राज्य के भाजपा के संस्थापक थे। इसके बाद 1988 तक तीन और कार्यकाल के लिए उन्हें अध्यक्ष चुना गया था. इसके अलावा 13 साल तक वानी 1996 से 2009 तक ओड़िशा विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता भी रहे है।

और अब बस

- छ्ग के चार साल के भूपेश बघेल के कार्यकाल में तीसरे राज्यपाल की नियुक्ति की गई है।
- बस्तर इस बार भी विस चुनाव में सत्ता की चाबी बनने वाला है।
- क्या इस बार लोकसभा चुनाव में फिर भाजपा सभी सांसदों की टिकट काटेगी।?

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

स्थानीय परिस्थिति के आधार पर कौशल विकास करें: अरविन्द अग्रवाल

रायपुर, 17 फरवरी (आरएनएस)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में संचालित कैरियर डेव्हलपमेंट सेन्टर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना , भारतीय कृषि प्रबंधन अकादमी, के सहयोग से कृषि छात्रों के लिए ''कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास पर परिसंवाद श्रृंखला'' का आयोजन किया जा रहा है। इस परिसंवाद श्रृंखला के तहत 16 से 23 फरवरी, 2023 तक विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। इस परिसंवाद श्रृंखला के द्वितीय दिवस वी.एन.आर. ग्रुप के संस्थापक सदस्य अरविन्द अग्रवाल ने ''रोजगार के भावी स्वरूप पर आधारित कौशल विकास विषय पर विशेष व्याखन देते हुए कहा कि स्थानीय परिस्थिति और संसाधनों को देखते हुए व्यक्तित्व विकास में आने वाले अवरोधों का हल निकालना चाहिए। उन्होंने व्यक्तित्व विकास में वित्त और विपणन में आपसी संबंध स्थापित करने पर जोर दिया और विद्यार्थियों को बताया कि अवस्था के अनुसार ही चहुमुखी विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वाट विश्लेषण की चर्चा करते हुए दृढ़ इच्छा शक्ति, कमजोरी, अवसर और चुनौती के अनुसार छात्र अपने-आप को पहचाने। उन्होंने कहा कि कृषि में व्यापक संभावनाएं हैं जिसमें बीज से लकर उत्पादन तक सभी पहलू महत्वपूर्ण है।

कराटे सिखाने के नाम पर करोड़ों का बंदरबांट

राजनांदगांव। रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा योजना के नाम से केंद्र सरकार की योजना में जिले के शिक्षा विभाग में बड़ा खेल हो रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूली छात्राओं को सशक्तिकरण एवं मजबूत बनाने के लिए रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा योजना के तहत जिले के मीडिल और हायर सेकेंडरी स्कूलों की बालिकाओं को कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें मीडिल स्कूल और उच्चतर माध्यमिक शाला के छात्राओं को कराटे प्रशिक्षण देने के लिए पांच-पांच हजार दिया जा रहा है। इसके लिए किसी ब्लैक बेल्ट धारक प्रशिक्षक को ही प्रशिक्षण देने की अनुमति है और वह भी महिला शिक्षक की निगरानी में यह प्रशिक्षण देना अनिवार्य है, लेकिन जिले में जिसे यह कमीशन के चक्कर में ठेका दिया गया है, वह थोक के भाव में ऐसे लोगों को काम पर रखा है, जिसे कराटे का क भी नहीं आता है और यह सब कमीशन का खेल है, एक व्यक्ति को दस सरकारी स्कूलों का ठेका दिया गया है और उसे एक स्कूल में सिर्फ 30 मिनट प्रशिक्षण देना है, जिसके लिए उसे सिर्फदो हजार मे ठेका दिया गया है, यानि वह व्यक्ति मीडिल और हायर सेकेंडरी दोनों स्कूलों के छात्राओं को सिर्फदो हजार में प्रशिक्षण दे रहा है और बाकी आठ हजार मुख्य ठेकेदार और जिला शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों में बंट रहा है। इस प्रकार जिला शिक्षा विभाग से कराटे का खेल खेला जा रहा है।

भाजपा का चक्का जाम बेशर्मी और अवसरवादिता का नमूना : कांग्रेस

रायपुर। भाजपा द्वारा नक्सल घटनाओं को लेकर किया गया चक्का जाम भाजपा की बेशर्मी और अवसरवादिता का नमूना है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 15 सालो तक नक्सलवाद को बढ़ावा देने वाले नक्सलवादी घटना पर चक्का जाम करने की नौटंकी कर रहे है। दलगत आधार पर सुरक्षा देना और सुरक्षा हटाना भाजपा की मानसिकता रही है। कांग्रेस पार्टी के लिये हर नागरिक की सुरक्षा देना और हर नागरिक का जीवन अनमोल है। भाजपा की तरह कांग्रेस दोहरी मानसिकता से काम नहीं करती। भाजपा की सरकार ने कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा को सुरक्षा नहीं दिया था। जिसके कारण कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की पूरी पीढ़ी की हत्या हो गयी थी। भाजपा के शासनकाल में 15 साल में 118 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं नेताओं की हत्या हुई थी। तब भाजपा की संवेदनशीलता और नैतिकता कहा गयी थी। भाजपा नेताओं की हत्या निन्दनीय है। लेकिन भाजपा का अपने ही नेताओं की लाश पर राजनीति करना घृणित है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद राज्य के नक्सल घटनाओं में 80 प्रतिशत तथा नक्सल हत्या में 50 प्रतिशत की कमी आई है।

दो खेमों में बँटी कांग्रेस, भूपेश सरकार की विदाई तयः संजय श्रीवास्तव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी नेता सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि कांग्रेस अधिवेशन से पहले कांग्रेस के संगठन महामंत्री ने हाथ जोड़ लिए हैं। छत्तीसगढ़ कांग्रेस हाथ जोड़ो अभियान चला रही है और कांग्रेस के पदाधिकारी अपने प्रदेश अध्यक्ष के हाथ जोड़कर कह रहे हैं कि हमें माफ करो, हम पार्टी का काम नहीं कर सकते। भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस के संगठन महामंत्री अमरजीत चावला द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम से कार्यमुक्त किये जाने आग्रह करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि कांग्रेस में स्पष्ट तौर पर दो खेमे बन गए हैं और दोनों ही खेमों में शह और मात का खेल चल रहा है। एक खेमे में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम हैं तो दूसरे खेमे का नेतृत्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कर रहे हैं। कांग्रेस में यह कलह जाहिर कर रही है कि यह दोनों खेमे आपस में लड़ कर छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सरकार की विदाई करने के लिए उतावले हैं। भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई की वजह से जनहित के काम किस तरह प्रभावित हो रहे हैं, यह बताने के लिए इतना पर्याप्त है कि गरीबों के प्रधानमंत्री आवास न बन पाने के कारण टीएस सिंहदेव ने पंचायत मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023: नगर निगम जोन 6 ने जागरूकता रैली निकाली

रायपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की राष्ट्रीय स्वच्छता रेंकिंग में रायपुर शहर को स्वच्छता में श्रेष्ठतम स्थान दिलवाने नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष नागभूषण राव, आयुक्त मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग एवं स्वच्छ भारत मिशन शाखा द्वारा निगम के सभी 10 जोनों के समस्त 70 वार्डों में नागरिकों को स्वच्छ जन जागरूकता रैली निकालकर वार्ड पार्षद के नेतृत्व में गीला, सूखा कचरा, सेनेटरी वेस्ट, घरेलू खतरनाक अपशिष्ट के सम्बन्ध में जानकारी देकर निरन्तर जागरूक बनाया जा रहा है. इस क्रम में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के पार्षद और निगम एमआईसी सदस्य सतनाम सिंह पनाग के नेतृत्व में वार्ड क्रमांक 61:के अंतर्गत मठपुरैना एवं भाटागांव क्षेत्र में स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के तहत वार्डवासियों के मध्य जाकर स्वच्छता को लेकर जन जागरूकता अभियान नगर पालिक निगम जोन नम्बर 06 के जोन कमिश्नर सहित सम्बंधित स्वच्छता कर्मचारियों, स्वच्छता दीदियों की उपस्थिति में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड नम्बर 61 के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों के भिन्न मुख्य मार्गो में चलाया गया।

महिला अधिकारों की जागरुकता का अभियान पहुंचे घर-घर तक- किरणमयी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की ओर से महिला उत्पीड़न पर नियंत्रण के लिए सभी संभाग मुख्यालय में दिए जाने वाले प्रशिक्षण का शुभारंभ बस्तर संभाग से किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती किरणमयी नायक तथा आयोग के सदस्यों की उपस्थिति में शुक्रवार 17 फरवरी को कुम्हरावंड स्थित शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय परिसर स्थित सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में महिला आयोग की सदस्य श्रीमती बालो बघेल, जिला पंचायत बस्तर की अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जिला पंचायत दंतेवाड़ा की अध्यक्ष सुश्री तुलिका कर्मा, जगदलपुर नगर निगम की अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू सहित विभिन्न जनपद पंचायत एवं नगर पालिका व पंचायतों के अध्यक्ष, जिला पंचायत बस्तर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश सर्वे सहित पुलिस विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती नायक ने कार्यशाला में संभाग भर से जनप्रतिनिधियों के साथ ही पुलिस और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महिला अधिकार और सम्मान के संरक्षण के लिए आयोजित यह कार्यशाला एक अभियान है।

कांग्रेस के 85वें अधिवेशन की तैयारी को लेकर बैठक संपन्न

रायपुर। कांग्रेस के आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी को लेकर कम्युनिकेशन समिति, आवास समिति, कंट्रोल रूम समिति, प्रचार प्रसार समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय, राजीव भवन, शंकर नगर रायपुर में संपन्न हुयी। जिसमें विस्तृत कार्य योजना पर चर्चा के उपरांत सदस्यों को जिम्मेदारी सौपने का निर्णय लिया गया। समिति के सदस्यो के बीच बेहतर समन्वय के साथ काम करने के महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये। आवास समिति के चेयरमेन डॉ. शिवकुमार डहरिया की उपस्थिति में आवास समिति की हुई बैठक में प्रदेश भर के महापौरगण उपस्थित हुये। कंट्रोल रूम कमेटी की बैठक महेन्द्र छाबड़ा अरूण सिसोदिया के द्वारा लिया गया। कम्युनिकेशन समिति के बैठक में कम्युनिकेशन समिति चेयरमेन विनोद वर्मा, को. चेयरमेन सुशील आनंद शुक्ला, संयोजक रूचीर गर्ग, समन्वयक राजेन्द्र तिवारी, सदस्यगण आर.पी.सिह, घनश्याम राजू तिवारी, धनंजय सिंह ठाकुर, सुरेन्द्र वर्मा, विकास तिवारी, वंदना राजपूत, अजय साहू आदि उपस्थित थे।

78 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 400 स्थानों पर चक्का जाम कर भाजपा ने जताया विरोध

रक्तपात के खिलाफ भाजपा की जनहुंकार : साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने आज छत्तीसगढ़ के 78 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 400 स्थानों पर जबरदस्त चक्काजाम आंदोलन कर कांग्रेस सरकार के खिलाफ हुंकार भरी। भाजपा ने बस्तर में अपने चार साथियों की षडयंत्र पूर्वक हत्या के विरोध में जन जागरण के उद्देश्य से यह आंदोलन किया। प्रदेश व्यापी आंदोलन का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल सहित सभी सांसदों, विधायकों एवं वरिष्ठ नेताओं ने किया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने शंकर नगर चौक पर चक्का जाम आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सरकार का षड्यंत्र उजागर होने लगा है। नक्सलियों द्वारा सुनियोजित तरीके से भाजपा नेताओं की हत्या और छत्तीसगढ़ में बढ़ते अपराध का विरोध जरूरी है। आज का चक्काजाम कांग्रेस की बदनियती के खिलाफ जनहुंकार है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में जब जब कांग्रेस की सरकार आई है, राजनीतिक हत्याओं का दौर चला है। 2003 के पहले जब कांग्रेस की सरकार थी तो जयस्तंभ चौक पर हुई राजनीतिक हत्या छत्तीसगढ़ की जनता भूली नही है और जनता ने 15 वर्षों के लिए कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया था। अब कांग्रेस की मौजूदा सरकार में भी राजनीतिक हत्याओं का दौर शुरू हो चुका है। 1 महीने में भाजपा के 4 नेताओं की नृशंस हत्या की गई है।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों की हत्या के विरोध में चक्काजाम आंदोलन में फाफाडीह में भाग लेकर अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस सरकार साजिश के तहत हमारे नेताओं की सुरक्षा घटा रही है। हम आज प्रदेश भर में चक्काजाम आंदोलन इसलिए कर रहे हैं कि लोकतंत्र की हत्या के खिलाफ जागरूकता आये। जनता हमारे साथ है। हम राज्य में अमन चैन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने विषय से ध्यान भटकाने के लिए एनआईए जांच के लिए पत्र लिखा है। उन्हें एनआईए पर भरोसा है तो झीरम जांच का विरोध क्यों करते हैं। भाजपा के पदाधिकारियों की हत्या सीधे तौर पर साजिश है और एक माह में हमारे 4 साथियों की हत्या इसी साजिश का परिणाम है।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने जांजगीर-चांपा में भाजपा के चक्का जाम आंदोलन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि समूचा बस्तर खून से लथपथ है। लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। प्रजातंत्र का गला घोंटा जा रहा है और यह सब इस कांग्रेसी शासन के संरक्षण में हो रहा है। कांग्रेस की सरकार जनता की नजरों में गिर चुकी है। उसने कोई काम नहीं किया। जन घोषणा पत्र की सारे घोषणाएं कचरे की टोकरी में डाल दी गई हैं और जब कांग्रेस को अपनी हार का भय सता रहा है तो लोकतंत्र को दबाकर तानाशाही तरीके से सत्ता बचाए रखना चाहती है। लेकिन जनता के साथ खड़ी भाजपा इस सरकार को उखाड़ कर फेंक देगी।

भाजपा मुख्य प्रवक्ता व पूर्व मंत्री, विधायक अजय चंद्राकर ने कुरुद में चक्काजाम आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि यह डबल स्टैंडर्ड की सरकार है जो अपने दुख को दुख और भारतीय जनता पार्टी के दुख को कहानी समझती है।

टाटीबंध में पूर्व मंत्री व भाजपा प्रवक्ता राजेश मूणत ने आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सरकार का षड्यंत्र सामने आ रहा है। सुनियोजित तरीके से भाजपा नेताओं की हत्या और छत्तीसगढ़ में बढ़ते अपराध का विरोध बेहद जरूरी है। आज का चक्काजाम कांग्रेस की साजिशों के खिलाफ हुंकार है।

चक्का जाम के दौरान कटोरा तालाब कपूर चौक में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने अपनी कार जबरदस्ती भाजपा कार्यकर्ताओं का घेरा तोड़कर आगे बढ़ाने की कोशिश की, जिसे भाजपा कार्यकर्ताओं ने नाकाम कर दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रखर विरोध के आगे मोहन मरकाम को लौटना पड़ा। इस दौरान पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं से बदसलूकी व झूमा झटकी की।

दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में दुर्ग शहर विधानसभा स्तरीय चक्काजाम हिंदी भवन के सामने दोपहर 2ः00 से 4ः00 बजे तक हुआ। इस दौरान राज्यसभा सांसद डॉ. सुश्री सरोज पाण्डेय भी विशेष रूप से उपस्थित रही। चक्का जाम के दौरान कार्यकर्ताओं और आमजनों को संबोधित करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि बस्तर में सुनियोजित षड्यंत्र के तहत प्रदेश कांग्रेस सरकार के संरक्षण में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की टारगेट किलिंग नक्सलियों द्वारा की जा रही है। छत्तीसगढ़ के कांग्रेसराज में नक्सलवादियों को संरक्षण दिए जाने के चलते नक्सली घटनाएं चरमसीमा पर पहुंच गई है। भूपेश सरकार द्वारा भाजपा के मजबूत होते जनाधार से बौखला कर नक्सलियों को भाजपा नेताओं की हत्या की सुपारी दी जा रही है लेकिन प्रदेश कांग्रेस सरकार और नक्सलियों की सांठगांठ भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की हौसले कमजोर नहीं कर सकते।

बीजेपी और उसके कार्यकर्ता पूरी ताकत और दृढ़ता के साथ भूपेश सरकार की हर जनविरोधी नीति का खुलकर विरोध करेंगे और भूपेश बघेल की नक्सलवादी संरक्षण की नीतियों के आगे नहीं झुकेंगे। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अपने मनोबल और सामर्थ्य से नक्सलवादियों और भूपेश सरकार से जमकर संघर्ष करेंगे और प्रदेश से नक्सल संरक्षण देने वाली भूपेश सरकार को सत्ता से बाहर करेंगे। जितेंद्र वर्मा ने कहा कि चक्का जाम का उद्देश्य जनता को परेशान करना नहीं बल्कि अपना विरोध प्रदर्शन करके जनता के बीच यह संदेश देना है कि भूपेश सरकार की नक्सलवाद समर्थक नीतियों के चलते छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में कानून व्यवस्था खत्म हो चुकी है और नक्सलवादी धीरे-धीरे मजबूत हो रहे हैं जो कि पूरे छत्तीसगढ़ की शांति और कानून व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक बात है।

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.